आर सी एफ

साथ बढ़ें समृध्दि की ओर

नवरत्न कंपनी

आरसीएफ दर्पण

गृहपत्रिका

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
अक्टूबर, 2024 - मार्च, 2025

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी की कलम से .....

प्रिय साथियों,

हर संस्थान की अपनी एक पहचान होती है .. वह केवल उसके उत्पादों, सेवाओं या भौतिक ढांचे से नहीं बनती, बल्कि उसके मूल्यों, दृष्टिकोण और अपने दायित्वों के प्रति उसकी निष्ठा से निर्मित होती है। RCF की यात्रा इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

विभिन्न चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने गत वर्ष के दौरान कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। मौजूदा विषम परिस्थितियों में भी आरसीएफ ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में रु. 327.50 करोड़ का कर पूर्व लाभ (PBT) अर्जित किया है। आरसीएफ का वार्षिक कारोबार रु.16933.64 करोड़ और EBIDTA रु. 839.57 करोड़ रहा ।

कंपनी की सर्वांगीण प्रगति के लिए कई नई योजनाओं पर कार्य चल रहा हैं। उसके तहत इस वर्ष ट्रॉम्बे में New Ammonium Nitrate Melt और नैनो यूरिया जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का कार्यान्वयन पूरा हुआ हैं। इसी के साथ ही हमें लिक्विड CO_2 संयंत्र स्थापित करने के लिए एमपीसीबी से सहमति प्राप्त हुई है और इसका कार्यान्वयन जुलाई तक पूरा होने का लक्ष्य है ।

थल में Briquette Fired Boiler परियोजना का कार्यान्वयन मई में पूरा हुआ हैं। इस विशेष योजना से न केवल गैस की खपत कम होगी बल्कि औद्योगिक उत्पादों की लाभप्रदता में सुधार करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही में नए NPK उर्वरक संयंत्र स्थापित करने की परियोजना प्रगति पथ पर है।

Safety First & Foremost यह हमारा नारा है और इसकी तरफ बढ़ते हुए हम थल तथा ट्रांबे मैं नए अमोनिया टैंक स्थापित कर रहें हैं।

हमारी सबसे बड़ी चुनौती यूरिया के ऊर्जा की खपत की हैं । इस वर्ष से यूरिया की ऊर्जा की खपत के नए कड़े मापदंड लागू हो रहे हैं। हालांकि हम दोनों इकाइयों में विभिन्न ऊर्जा बचत योजनाए लागू कर रहे हैं और उसका कार्यान्वयन कार्य प्रगतिपथपर है ।

पर्यावरण की जागरूकता ध्यान में रखकर आर सी एफ ने अपने परिसर में वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग सिस्टम और निरंतर अंबिएंट वायु गुणवत्ता सिस्टम बिठाई है । इसी के साथ सीएसआर उपक्रम अंतर्गत राज्य सरकार एवं एमपीसीबी के निर्देशानुसार चेंबूर क्षेत्र के डायमंड गार्डन और साठे उद्यान यह दो स्थानों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली स्थापित की है ।

'प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र' (PMKSK) इस बहुउद्देशीय योजना के अंतर्गत आरसीएफ की तरफ़ से विभिन्न राज्यों में PMKSK स्थापित किए जा चुके हैं। आरसीएफ के स्वयं उत्पादित एवं आयातित उर्वरक उत्पाद किसानों तक पहुचाने में विपणन विभाग की अहम भूमिका होती हैघ

ट्रॉम्बे एवं थल इकाई का वार्षिक क्यूसी कन्वेंशन 2025 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। आरसीएफ में विविध अभियानों, विशेष दिवसों तथा धार्मिक पर्वों को मनाने की हमारी परंपरा अखंडित रूप सेर जारी है, सभी स्तर से सहयोग एवं सहभागिता इनकी विशेषता रही है। इसके लिए मैं सभी कर्मचारियों एवं आयोजकों को बधाई देता हूँ।

साथियों, मुझे विश्वास है कि हम अपनी लगन, आपसी भाईचारे और समर्पित प्रयासों से आर सी एफ को सफलता के नयी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। हमे मिल रही उपलब्धियों के पीछे वह हमारे समर्पित कर्मचारी हों, यूनियन्स, सेवाकर्मी संगठन,कंत्राटी कर्मचारी या सुरक्षा में तैनात हमारे CISF जवान हो,सभी की प्रतिबद्धता और कर्मठता का अटूट योगदान है।

हमने सभी क्षेत्रों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है तथा मैं आशा करता हूँ कि हम अपने उद्देश्य की प्राप्ति तथा अपने हिताधिकारियों को अच्छे परिणाम देने के लिए निरंतर रूप से इस अभेद्य मंच की शक्ति का उपयोग करते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(एस. सी. मुडगेरीकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

आरसीएफ दर्पण
गृहपत्रिका
राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
अक्टूबर, 2024 - मार्च, 2025

साथ बढ़ें समृद्धि की ओर
नवरत्न कंपनी

RCF Darpan
House Journal of
Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd.
October, 2024 - March, 2025

संपादक
मधुकर पाचारणे

Editor
Madhukar Pacharne

संपादकीय समन्वयन
हर्षला नि. शिंदे

Editorial Co-ordination
Harshala N. Shinde

थळ वार्ता
राकेश कवले
योगेंद्र भोईर

Thal News
Rakesh Kawale
Yogendra Bhoir

विपणन वार्ता
एस. एल. वराडकर
निकिता पाठारे

Marketing News
S. L. Varadkar
Nikita Pathare

सलाहकार मंडल
राकेश व्ही. सिन्हा
अश्विन कांबळे
अमित मानकर
स्नेहा तांबे
एस. फारुकी

Advisory Board
Rakesh V. Sinha
Ashwin Kamble
Amit Mankar
Sneha Tambe
S. Farooqui

सूची / Index

ट्रॉम्बे

गणतंत्र दिवस	2
छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती	6
महापरिनिर्वाण-दिन	8
पदोन्नती	9
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	16
मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा	18
वार्षिक क्यूसी अधिवेशन	20
उपलब्धियाँ	30
ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का आयोजन	32

थळ

गणतंत्र दिवस	34
शिवजयंती उत्सव	37
मराठी भाषा दिवस	38
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	39
सतर्कता जागरूकता सप्ताह	41
वार्षिक दिवस	42
वार्षिक गुणवत्ता संकल्पना अधिवेशन	45
वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव	53

विपणन

विपणन वार्ता	55

सेवानिवृत्तियाँ

सेवानिवृत्ति	61

यह जरुरी नहीं कि इस गृहपत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त राय से प्रबंधन सहमत है।
News expressed in this journal are not necessarily of the management.

गणतंत्र दिवस

दिनांक 26 जनवरी 2025 को आरसीएफ क्रीडा संकुल में राष्ट्रीय त्योहार "गणतंत्र दिवस" बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें मुख अतिथि के रूप में हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री श्रीनिवास मुडगेरिकर जी उपस्थित थे ।

इस दिन क्रीडा संकुल को उद्यान कृषि के माध्यम से खूब सजा कर वातावरण सुंदर एवं मोहक बनाया गया था । इस कार्यक्रम मे निदेशक वित्त - सुश्री नजहत शेख, निदेशक तकनीकी सुश्री ऋतु गोस्वामी, चिफ विजिलंस ऑफिसर डॉ. राहुल जगताप आदि की प्रमुख उपस्थिति रही । आरसीएफ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ सभी कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य इस वक्त उपथित थे।

आरसीएफ के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भी इस समारोह में उपस्थित थे। जिसमे श्री वर्मा, श्री. यु एस झा, श्री ब्रीटटो आदि उपस्थित रहे।

निर्धारित समयानुसार सुबह ठीक 9.00 बजे मुख्य अतिथि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री श्रीनिवास मुडगेरिकर जी का आगमन हुआ और अपने करकमलों द्वारा ध्वजारोहन करते ही उपस्थित सभी ने राष्ट्रगान अर्पित किया गया।

राष्ट्रगान के बाद अध्यक्ष महोदय ने परेड का निरीक्षण करने के लिए ध्वज मंच से प्रस्थान किया। परेड प्रस्तुत करने एवं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देने के लिए सीआईएफ के परेड के जवान, आरसीएफ अग्निशमन एवं सुरक्षा विभाग के कर्मचारियों की टुकड़ी के साथ महाराष्ट्र सुरक्षा बोर्ड के जवान एवं कालोनी परिसर के स्कूल के विद्यार्थियों की टुकड़ी लोरेटो कानवेंट स्कूल, जवाहर विद्या भवन एवं सीआईएसएफ बैंड पथक एवं अग्निशमन वाहन भी सुसज्जित होकर उपस्थित थी ।

निरीक्षण के पश्चात अध्यक्ष महोदय ने कर्मचारियों को संबोधित

किया अध्यक्ष जी ने दोनों इकाइयों एवं विपणन कार्यालयों के सभी विभागों, अनुभागों के कार्यनिष्पादन की सराहना की, नई योजनाओ, परियोजनाओ के बारे मे जानकारी देने के साथ अनेक पुरस्कार विजेताओं को भी सराहा और बहुत सारगर्भित, सम्बोधन से सभी उपस्थितों ने तालीयों से प्रतिक्रिया दर्शायी।

उसके बाद परंपरा अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम के सामूहिक नृत्य / ड्रिल प्रदर्शन की बारी शुरू हुई । जिसमें सीआईएसएफ के जवानों के कमांडो के द्वारा सामूहिक ड्रिल का प्रदर्शन किया गया । उसके बाद लोरेटो कानवेंट स्कूल के बैंड पथक दल ने अलग-अलग गानों की धुन पर शानदार सामूहिक ड्रम ड्रिल प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया । सांस्कृतिक कार्यक्रम की अगली कड़ी में, सेंट सेबेस्टीयन हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने देश भक्ति के गीत पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया । अंतिम कड़ी में जवाहर विद्या भवन के विद्यार्थियों ने भी देश भक्ति के गीत पर एक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रमानुसार कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्य करने के लिए अध्यक्ष जी के करकमलों द्वारा पुरस्कृत करने की बारी आयी। जिसमें अध्यक्ष महोदय के साथ निदेशक (वित्त), निदेशक (तक) एवं सीवीओ मंच पर उपस्थित थे ।

पुरस्कारों की श्रंखला में मानव संसाधन विभाग की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कारों में कारपोरेट एक्सीलेंस अवार्ड श्रीमती ज्योति पाटील कार्यपालक निदेशक (परियोजना)-प्रभारी थल इकाई तथा श्री एम रमेश कार्यपालक निदेशक (क्रय एवं कांट्रेक्ट सेल) ट्रांबे इकाई को प्रदान किया गया।

इसी क्रम में पर्ल अवार्ड 2024 श्री अजित थत्ते उप महा प्रबंधक (यूरिया) थल इकाई, श्री विश्वास चौधरी उप महा प्रबंधक (विधि) ट्रांबे इकाई, श्री सुनील पेंदोर उप महा प्रबंधक (एएनपी) ट्रांबे इकाई को प्रदान किया गया ।

अगला पुरस्कार बिहाइंड द सीन अवार्ड के लिए श्री प्रवीण म्हात्रे - वरिष्ठ प्रबंधक (सामग्री), श्री संजय पवार - वरिष्ठ प्रबंधक (निगमित संचार) तथा श्री निकेत कांबले - वरिष्ठ प्रबंधक (क्रय) पुरस्कार विजेता रहे । इसके बाद मानवीयता पुरस्कार श्री मुकेश सुर्वे - वरिष्ठ अभियंता (केमिकल) को पुरस्कार प्रदान किया गया । अगला पुरस्कार बेस्ट मेंटर के लिए श्री हरविंदर कुमार चुंबर - उप महा प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) को प्रदान किया गया ।

पुरस्कारों की श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार श्री रूपेश तावड़े वरिष्ठ प्रबंधक (कंपनी सचिव एवं विधि), श्री श्वेताम्बर माने - वरिष्ठ प्रचालक (एसजी) तथा श्री वैभव घरत बॉइलर प्रचालक श्रेणी -1 को प्रदान किया गया । उत्कृष्ट कार्य अवार्ड सम्मान पत्र के साथ श्री संजय पेटकर - महा प्रबंधक (आई टी), श्री अभिजीत मुलिक प्रबंधक - विपणन (एम आई एस/ डी बी टी) तथा तेजल शिरसाट प्रबंधक (आई टी) को प्रदान किया गया । इसके बाद विपणन कार्यालय के अवार्ड की कड़ी में महाराष्ट्र से श्री भगवान चव्हान - उप महा प्रबंधक (विपणन) तथा श्री ओम प्रकाश धायाल मुख्य प्रबंधक (विपणन) उत्तर प्रदेश को उनके अच्छे बिक्री निष्पादन कार्य के लिए प्रदान किया गया। अगला पुरस्कार यूरिया गोल्ड के उत्पादन निष्पादन से संबंधित था जिसमें ए.एन.पी. संयंत्र की 6 कर्मचारियों की टीम को प्रदान किया गया ।

पुरस्कारों की अगली कड़ी में कुछ विशेष पुरस्कार विजेता रहे जिसमें श्री यशवंत वालके वरिष्ठ अधिकारी (विपणन) चंद्रपुर, श्री के पी सिंह वरिष्ठ अधिकारी (विपणन) कानपुर को प्रदान किया गया । इसके बाद आई पी डी के पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ विपणन विक्रेता पुरस्कार से नवाजा गया। स्टार पर्फार्मर अवार्ड श्री जयेश देवलेकर प्रबंधक (विपणन) को उनके द्वारा की गई अधिकतम बिक्री के निष्पादन के कारण प्रदान किया गया ।

ट्रांबे के पुरस्कारों की अंतिम श्रंखला में नैनो यूरिया प्लांट सेट अप करने पर एक टीम के रूप में अनुकरणीय कार्य करने हेतु नैनो यूरिया के लिए गठित 14 कर्मचारियों की टीम को अध्यक्ष महोदय के करकमलों से पुरस्कृत किया गया । और अंत में क्वालिटी सर्कल का एक अवॉर्ड जो कि नाइट्रिक एसिड प्लांट में "कर्मवीर" क्वालिटी सर्कल को प्रदान किया गया ।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन श्री सुलेमान फ़ारूकी उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री खुशाल नंदनवार वरिष्ठ अधिकारी - (समय कार्यालय) एवं सुश्री पंचशीला खैरनार वरिष्ठ सहायक - (समय कार्यालय) ने किया।

कारपोरेट एक्सीलेंस अवार्ड -
श्रीमती ज्योति पाटील,
कार्यपालक निदेशक (परियोजना)

कारपोरेट एक्सीलेंस अवार्ड -
श्री एम. रमेश,
कार्यपालक निदेशक (क्रय एवं कां. सेल)

पर्ल अवार्ड -
श्री अजित थत्ते,
उप महा प्रबंधक (यूरिया)

पर्ल अवार्ड -
श्री सुनील पेंदोर, उप महा प्रबंधक (एएनपी)

बिहाइंड द सीन पुरस्कार -
श्री प्रवीण म्हात्रे, व. प्रबंधक (सामग्री)

बिहाइंड द सीन पुरस्कार -
श्री संजय पवार, व. प्रबंधक (नि.सं.)

बिहाइंड द सीन अवार्ड -
श्री निकेत कांबले, व. प्रबंधक (क्रय)

मानवीयता पुरस्कार -
श्री मुकेश सुर्वे, व. अभियंता (केमिकल)

बेस्ट मेंटर पुरस्कार -
श्री एच. के. चुम्बर, उप महाप्रबंधक (इले.)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार-
श्री रूपेश तावड़े, व. प्रबंधक (कं.स. एवं विधि)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार -
श्री श्वेताम्बर माने, व. प्रचालक (एसजी)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार -
श्री वैभव घरत, बॉइलर प्रचालक

उत्कृष्ट कार्य पुरस्कार -
श्री संजय पेटकर - महा प्रबंधक (आई टी)
श्री अभिजीत मुलिक - प्रबंधक -(विपणन),
तेजल शिरसाट– प्रबंधक (आई टी)

उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार-
श्री भगवान चव्हान,
उप महा प्रबंधक (विपणन)

उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार -
श्री ओम प्रकाश घायाल
मुख्य प्रबंधक (विपणन) उ.प्र.

यूरिया गोल्ड पुरस्कार -
ए एन पी संयंत्र की टीम

सर्वश्रेष्ठ विपणन विक्रेता - श्री यशवंत वालके,
व. अधिकारी (विपणन) चंद्रपुर

सर्वश्रेष्ठ विपणन विक्रेता - श्री के पी सिंह,
व. अधिकारी (विपणन) कानपुर

आई पी डी स्टार पर्फार्मर अवार्ड -
श्री जयेश देवलेकर प्रबंधक (विपणन)

नैनो यूरिया प्लांट के सेट अप करने के लिए
गठित टीम पुरस्कृत

क्वालिटी सर्कल अवॉर्ड - "कर्मवीर"
क्वालिटी सर्कल, नाइट्रिक एसिड प्लांट

उपचारित जल की आपूर्ति के लिए समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) ने मुंबई में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की माहुल रिफाइनरी को प्रतिदिन अतिरिक्त 2 मिलियन लीटर (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से प्राप्त) - उपचारित जल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की मुंबई रिफाइनरी को 4 मिलियन लीटर प्रतिदिन (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से प्राप्त)-उपचारित जल की आपूर्ति के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। बीपीसीएल के साथ समझौता ज्ञापन के दौरान आरसीएफ लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक श्री जी. शेषाद्रि और बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री अभय राज सिंह भंडारी ने आरसीएफ लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (आईपीडी) श्री अतुल पाटिल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। एचपीसीएल के साथ समझौता ज्ञापन पर आरसीएफ लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक श्री जी. शेषाद्रि और एचपीसीएल मुंबई के कार्यकारी निदेशक श्री लियू वर्गीस मैथ्यू ने हस्ताक्षर किए। ये समझौता ज्ञापन आरसीएफ को कैप्टिव खपत के बाद उपलब्ध सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से प्राप्त जल के निपटान में मदद करेंगे।

छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती

बुधवार, दिनांक 19 फेब्रुवारी, 2025 रोजी महाराष्ट्राचे आराध्य दैवत छत्रपती शिवाजी महाराजांची 395 वी जयंती आर.सी.एफ. ट्राम्बे च्या प्रांगणातील छत्रपती शिवाजी महाराज चौक, (कारखाना द्वार क्र. 1) येथे सकाळी 9.00 वाजता साजरी करण्यात आली.

कार्यक्रमाच्या प्रमुख पाहुण्या, संचालिका (वित्त) सुश्री. नजहत शेख, संचालिका (टेक्निकल) सुश्री ऋतु गोस्वामी आणि संचालक (विपणन) श्री. निरंजन सोनक यांनी छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या पुतळ्यास पुष्पहार अर्पण करून वंदन केले.

त्यानंतर कार्यकरी संचालक श्री. जय भगवान शर्मा, श्री. राजीव पांडे, श्री. गोपालन शेषाद्री श्री. अतुल पाटील, कार्यक्रमाचे निमंत्रक श्री. शरद सोनवणे, श्री. विक्रम जावळे, आणि श्री. एम. रमेश, तसेच मुख्य महा व्यवस्थापक श्री. संजीव दोशी, आणि सुश्री. नंदा कुलकर्णी, यांनी छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या पुतळ्यास पुष्पहार अर्पण केले. या कार्यक्रमाला महा व्यवस्थापक श्री. महेंद्र अग्रवाल, श्री. संजय जैन, श्री. संजय पेटकर, श्री. प्रकाश महाजन आणि श्री. देवेंद्र डाफे उपस्थित होते.

आर.सी.एफ. ऑफिसर्स असोसिएशन, आर.सी.एफ. कर्मचारी सेना, आर.सी.एफ. कर्मचारी संघ (बी.एम.एस.), आर.सी.एफ. एम्प्लॉईज यूनियन (इंटक), आर.सी.एफ. एससी/एसटी एम्प्लॉईज वेल्फेअर असोसिएशन, आर.सी.एफ. एम्प्लॉईज एससी/एसटी संघटना, स्थानीय लोकाधिकार समिती, आर.सी.एफ. जनाधिकार सेना, आर.सी.एफ. ओबीसी एम्प्लॉईज वेल्फेअर असोसिएशन, आर.सी.एफ. एम्प्लॉईज को. ऑप. क्रेडिट सोसायटी आणि सम्राट अशोक बुद्धविहार संवर्धन समिती आदि संस्थाच्या पदाधिकाऱ्यांनी छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या पुतळ्यास पुष्पांजली अर्पण केली.

या प्रसंगी आर.सी.एफ. परिसरातील श्री. नारायण आचार्य विद्यालयाचे विधार्थी पारंपारिक वेशभूषेत आपल्या शिक्षक आणि प्राचार्य यांच्या

समवेत उपस्थित होते. त्यांनी या कार्यक्रमाची शोभा वाढवली.

या मंगलप्रसंगी कार्यक्रमाच्या प्रमुख पाहुण्या, संचालिका (वित्त) सुश्री. नजहत शेख, यांनी आपले विचार व्यक्त करताना छत्रपती शिवरायांच्या अंगी असलेल्या विविध पैलूंचे विवेचन केले.

श्री. अशोक हुंडेकर, प्रबंधक, (मा.सं.) यांनी समारंभाचे सूत्रसंचालन केले. तर श्री. खुशाल नंदनवार, वरिष्ठ अधिकारी (मा.सं.) यांनी उपस्थिताचे आभार मानले.

या समारंभांनंतर अल्पोपहाराने कार्यक्रमाचा समारोप झाला. सकाळी 9.45 वाजता माननीय संचालिका (वित्त) सुश्री. नजहत शेख व इतर मान्यवरांच्या हस्ते आर.सी.एफ. क्रिडा संकुल येथील छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या पुतळ्यास पुष्पहार अर्पण करण्यात आला.

छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती

प्रौढप्रताप पुरंदर, सिंहासनाधिश्वर महाराजाधिराज, योगीराज छत्रपती शिवाजी महाराजांची जयंती आर.सी.एफ. स्थानीय लोकाधिकार समितीतर्फे तिथीनुसार फाल्गुन वद्य तृतीया शके 1946 सोमवार दिनांक 17 मार्च, 2025 रोजी सकाळी 09.00 वाजता कारखाना प्रवेशद्वार क्र. 1 समोरील 'श्री छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या' पुतळयाजवळील चौकात मोठया उत्साहात साजरी करण्यात आली.

आर.सी.एफ.चे कार्यकारी संचालक (क्रय आणि कॉन्ट्रॅक्ट सेल) श्री. व सौ. एम रमेश साहेब यांच्या शुभहस्ते श्री गणेश पुजन व श्री छत्रपती शिवाजी महाराजच्या पुतळयाचे पुजन संपन्न झाले.

याप्रसंगी आर.सी.एफ. चे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक श्री. श्रीनिवास मुडगेरीकर यांनी शिवरायांना पुष्पहार अर्पण करुन अभिवादन केले. त्यानंतर विशेष अतिथी म्हणून उपस्थित राहिलेल्या संचालिका (वित्त), मा. सुश्री. नजहत शेख, संचालिका (तांत्रिकी) मा. सुश्री. ऋतु गोस्वामी व संचालक (विपणन), मा.श्री. निरंजन सोनक या सर्व मान्यवर मंडळींनी शिवरायांना पुष्पहार अर्पण केला. त्यानंतर आर.सी.एफ्.आस्थापनेत कार्यरत असलेले सर्व कार्यकारी संचालक, मुख्य महाव्यवस्थापक तसेच विविध युनियन्स, संस्था, संघटनांच्या सर्व सभासदांनी शिवरायांना पुष्पहार अर्पण करुन अभिवादन केले.

श्री. मुडगेरीकर यांनी या प्रसंगी आपले विचार उपस्थितांच्या समोर मांडले. या प्रसंगी आपआपसातील हेवेदावे विसरुन सर्वजण एकत्र आले तर आपल्या कंपनीसाठी मोलाचे ठरेल. एकदिलाने एकत्र येऊन काम केले तर आपल्या कंपनीची नक्कीच भरभराट होईल यात तिळमात्र शंका नाही. वैयक्तिक महत्त्वकांक्षेपेक्षा कंपनीच्या हिताचा प्रयत्न करण्यातच सर्वांचे हित आहे अस मोलाचे विचार त्यांनी याप्रसंगी व्यक्त केले.

येत्या काळात आर.सी.एफ.च्या विकासासाठी गॅस, उर्जा, बाहेरील स्पर्धा, भारत सरकारच्या नविन योजना या सारख्या समस्यांना सामोरे जात आहोत. अशा सर्व समस्यांवर योग्य ती उपाययोजना व

संयंत्रांमध्ये काही आवश्यक बदल करुन जास्तीत जास्त उत्पादन कसे वाढवता येईल यावर सकारात्मक विचार करुन आर.सी.एफ. कंपनी सतत प्रगतीपथावर नेण्याचा आर.सी.एफ.व्यवस्थापन पाठपुरावा व प्रयत्न करीत आहे. परंतु त्यासाठी सर्वांची मोलाची साथ असणे हे ही तितकेच महत्वाचे आहे असे ते म्हणाले.

आर.सी.एफ. मध्ये कार्यरत सर्व अधिकारी वर्ग कामगार बंधु-भगिनी, आस्थापनेत कार्यरत असलेल्या युनियन, असोसिएशन, संघटना, याप्रसंगी उपस्थित राहिले.

कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन श्री. जगदीश पारकर यांनी तर आभार प्रदर्शन सौ. धनश्री लेले यांनी केले. त्याचप्रमाणे क्रिडासंकुलातील शिवप्रतिमेस पुष्पहार अर्पण करुन शिवजयंती उत्सव मोठया उत्साहात साजरा करण्यात आला.

महापरिनिर्वाण-दिन

भारतीय राज्य घटनेचे शिल्पकार, भारतरत्न, बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांचा महापरिनिर्वाण-दिन आर सी एफ, ट्रॉम्बे येथे प्रियदर्शिनीच्या प्रांगणात दरवर्षी प्रमाणे याही वर्षी अभिवादनचा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता. या कार्यक्रमात कंपनीतील सर्व कर्मचारी, वरिष्ठ अधिकारी वर्ग त्यांचे कुटुंबीय व चेंबूर विभागातील नागरिक मोठ्या संखेने उपस्थित होते. कार्यक्रमाच्या सुरुवातीला प्रियदर्शिनी येथे भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या पूर्णाकृती पुतळयास मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. श्री राहुल जगताप आणि कार्यकारी संचालक श्री जय भगवान शर्मा यांनी पुष्पहार अर्पण करून अभिवादन केले.

या प्रसंगी बौद्धाचार्य आयु विष्णु खरे गुरुजी व आयु नारायण नीकाळजे गुरुजी यांनी पूज्य भंते सुवर्ण थेरो यांना याचना केली, त्यानंतर भंतेनी त्रिसरण व पंचशील दिले ते सर्वांनी ग्रहण केले.

मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. श्री राहुल जगताप साहेबांनी उपस्थित असणा-या सर्व कर्मचारी व त्यांच्या कुटुंबियांना मार्गदर्शन पर भाषण केले.

त्यानंतर आरसीएफ मध्ये कार्यरत असलेल्या सर्व यूनियन, असोसिएशन, सर्व सामाजिक संघटने चे पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी वर्ग, कर्मचारी व त्यांचे कुटुंबीय यांनी पुष्पांजली अर्पण करुन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या पूर्णाकृती पुतळयास अभिवादन केले.

या कार्यक्रमाचे सूत्र संचालन श्री खुशाल नंदनवार, वरिष्ठ अधिकारी (मा.सं.) यांनी केले.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या 68 व्या महापरिनिर्वाण दिनी कार्यक्रमाचे सफल आयोजन करण्यासाठी मानव संसाधन विभाग, प्रशासन विभाग, कृषिउद्यान विभाग, स्थापत्य विभाग, विदूयत विभाग, पब्लिक रिलेशन विभाग, CISF कर्मचारी, RCF पोलीस स्टेशन, महाराष्ट्र सिक्युरिटी गार्ड बोर्ड चे जवान, तसेच इतरानीही प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष योगदान दिले.

श्री. निरंजन सोनक, संचालक (विपणन)

श्री. निरंजन सोनक यांनी आरसीएफ लि. कंपनीचे संचालक (विपणन) पदाचा कार्यभार स्वीकारला आहे. श्री. सोनक यांचा वर्ष 1989 मध्ये व्यवस्थापन प्रशिक्षणार्थी (रसायन) म्हणून रुजू होण्यापासून ते संचालक (विपणन) पदापर्यंतचा प्रवास सर्वांसाठी प्रेरणादायी आहे. आपल्या 35 वर्षांच्या कार्यकालामध्ये त्यांनी अनेक महत्वाच्या पदांवर काम केले आहे. श्री. सोनक यांनी बी. टेक. (केमिकल इंजीनिअरिंग) बरोबरच नामांकित संस्थामधून आपले तांत्रिक आणि शैक्षणिक कौशल्य वाढीच्या दृष्टीने अनेक पदविका अभ्यासक्रम पूर्ण केले आहेत. यामध्ये पीजीडीबीए (विपणन व्यवस्थापन), आयात-निर्यात व्यवस्थापन इत्यादी पदविकांचा समावेश आहे. वर्ष 2007 मध्ये त्यांना ब्युरो ऑफ एनर्जी इफिसिएन्सी (BEE) कडून उर्जा व्यवस्थापन प्रमाणपत्र देऊन आणि वर्ष 2012 मध्ये सिक्स सिग्मा -ग्रीन बेल्ट ने सन्मानित करण्यात आले आहे.

आरसीएफ थळ संकुलामध्ये नियुक्ती झाल्यापासून 17 वर्ष अभ्यासूवृत्तीने आणि कल्पकतेने उत्पादन तसेच उर्जा क्षमता वापरामध्ये त्यांनी अनेक विक्रम प्रस्थापित केले आहेत. वर्ष 1995 मध्ये त्यांना उत्तरप्रदेशातील शाहजहाँपुर येथील ओसवाल केमिकल्स अँड फर्टिलायझर्स लि. चा युरिया प्लांट कार्यान्वित करण्यासाठी नियुक्त करण्यात आले होते, सदर प्रकल्प निर्धारित वेळेपूर्वीच सफलतापूर्वक कार्यान्वित करण्यात त्यांनी महत्वाची भूमिका बजावली होती यासाठी ओसवाल केमिकल्स तसेच आरसीएफचे भूतपूर्व अध्यक्ष मा. दुलिपसिंह यांनीही त्यांची प्रशंसा केली होती.

श्री.सोनक हे 2003 ते 2006 पर्यंत अंतर्गत लेखापरिक्षण (तांत्रिक) विभागात कार्यरत असताना त्यांनी प्रक्रिया मापदंडाना अनुकूल तांत्रिक सूचनांना पाठींबा देत प्रोत्साहनपर निर्णय घेतल्याने आरसीएफ वरिष्ठ व्यवस्थापनाला उत्पादन कार्यक्षमता सुधारण्यास मदत झाली तसेच उर्जा कार्यक्षमतेत उल्लेखनीय नवीन टप्पे गाठले गेले.

वर्ष 2008 ते 2017 पर्यंत औद्योगिक उत्पादन विभागात उप महाप्रबंधक पदावर कार्यरत असताना या विभागाची वार्षिक उलाढाल एक हजार कोटी रुपयांपेक्षा अधिक झाली होती. त्यांनी 2019 मध्ये वाणिज्यिक विभागाचा कार्यभार स्वीकारल्यानंतर वर्ष 2023-24 या आर्थिक वर्षात आरसीएफतर्फे कच्चा माल आणि एनपीके, डीएपी, एमओपी, युरिया सारख्या तयार खत उत्पादनांची सर्वाधिक आयात झालेली आहे. त्यांच्या पुढाकाराने आरसीएफ कंपनीने रशिया, कॅनडा, जर्मनी, मोरोक्को या देशातील उत्पादन निर्मात्यांसोबत कच्चामाल आणि तयार खत उत्पादन पुरवठ्याबाबत दीर्घकालीन सामंजस्य करार (एमओयू) केले आहेत.

त्यांच्या सहयोगाने 2019 पासून आजपर्यंत आरसीएफ ने भारत सरकारच्या वतीने स्टेट ट्रेडिंग एन्टरप्राइज (एसटीई) म्हणून 146 लाख मे. टन हून अधिक युरिया देशात आयात केला आहे. याव्यतिरिक्त भारत सरकार (डीओएफ) आणि ओएमआयएफसीओ-ओमान तर्फे जानेवारी 2022 मध्ये केलेल्या करारांतर्गत (एलटीए) जवळपास 20.86 लाख मे.टनाची आयात आरसीएफच्या वतीने करण्यात आलेली आहे.

श्री. सोनक यांच्या सहयोगाने आरसीएफ ने जी2जी (G2G) करारांतर्गत शेजारील देश नेपाळ आणि श्रीलंका येथे युरिया आणि डीएपी खतांचा पुरवठा करण्यात आलेला आहे. त्यांनी विदेशमंत्रालयाच्या प्रतिनिधींसोबत मॉरिटानिया देशाचा दौराही केलेला आहे. त्यांच्या सह्कार्याने आरसीएफ कंपनी ने अलीकडेच एमबीपीटी बंदरावरून 50 हजार मे.टन आणि त्याहून अधिक आकाराच्या मोठ्या मालवाहू जहाजांची हाताळणी सुरु केली आहे ज्यामुळे सागरी माल वाहतुकीत आणि बीपीसीएल आणि एचपीसीएल सोबत सल्फर खरेदी संबधित सामंजस्य करार करण्यात आल्याने सल्फ्युरिक आम्ल आणि युरिया गोल्ड खत उत्पादन निर्मितीखर्चात बचत साध्य झाली आहे.

श्री. सोनक यांचा त्यांच्या कार्याप्रती स्पष्ट दृष्टीकोन, कौशल्य आणि प्रामाणिक योगदान याचा सर्व सहकारी कर्मचाऱ्यांवर सकारात्मक प्रभाव रहातो. त्यांचा तंत्र, विपणन, लेखापरिक्षण आणि वाणिज्यिक क्षेत्रातील प्रदीर्घ अनुभव आरसीएफच्या विकास आणि उन्नतीसाठी निश्चितच उपयोगी असेल.

श्रीमती ज्योति पाटिल, कार्यपालक निदेशक (परियोजना)

श्रीमती ज्योति पाटिल को 28 जनवरी 2025 से थल इकाई में कार्यपालक निदेशक (परियोजना) के पद पर पदोन्नत किया गया है। वे आर.सी.एफ परिवार की पहली महिला केमिकल इंजीनियर हैं, जिन्हें कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है । अपने नए कार्यभार से पहले, वे थल इकाई में महाप्रबंधक (परियोजनाएं और तकनीकी सेवाएं) की ज़िम्मेदारी निभा रही थीं ।

श्रीमती ज्योति पाटिल ने वर्ष 1990 में लक्ष्मीनारायण प्रौद्योगिकी संस्थान (एल.आई.टी.), नागपुर विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक) में रजत पदक प्राप्त किया है । बी.टेक परीक्षा उत्तीर्ण करने के तुरंत बाद, वह जुलाई 1990 में आर.सी. एफ परिवार थल इकाई में 'प्रबंधन प्रशिक्षु' (एमटी) के रूप में शामिल हो गईं। वह आर.सी.एफ, थल इकाई में कार्यरत पहली महिला केमिकल इंजीनियर हैं। प्रबंधन प्रशिक्षु (एमटी) के रूप में एक वर्ष का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर, उन्हें कंपनी द्वारा जूनियर इंजीनियर (केमिकल) के रूप में नियुक्त किया गया।

उनकी वर्तमान भूमिका में नई परियोजनाओं का अध्ययन, परियोजनाओं की तकनीकी-आर्थिक संभाव्यता, सैद्धांतिक अनुमोदन, विस्तृत संभाव्यता रिपोर्ट, निवेश निर्णय और परियोजना का कार्यान्वयन शामिल है।

उनके कुशल मार्गदर्शन में कार्यान्वित की जा रही परियोजनाएं हैं:

थल में एक जटिल उर्वरक/एनपीके संयंत्र, 1200 एमटीपीडी (डीएपी आधार) का स्थापित किया जा रहा है। थल में जटिल उर्वरक के उत्पादन से थल इकाई के उत्पाद मिश्रण में बदलाव आएगा और थल इकाई में उत्पादित अतिरिक्त अमोनिया का उपयोग होगा। परियोजना प्रक्रिया में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरण मंजूरी शामिल थी जिसके लिए सार्वजनिक सुनवाई की आवश्यकता थी। परियोजना के लिए एक सफल सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की गई थी जो आर. सी.एफ, थल की स्थापना के बाद की पहली सार्वजनिक सुनवाई थी। परियोजना जनवरी 2027 तक तैयार हो जाना है । आवश्यक कच्चा माल फॉस्फोरिक एसिड (पी.ए) और सल्फ्यूरिक एसिड (एस.ए) है। वर्तमान में विभिन्न विकल्पों जैसे हमारे अपने पी.ए, एस.ए संयंत्रों की स्थापना, पी.ए और एस.ए की स्वदेशी खरीद या आयात करने के विषय में अध्ययन किया जा रहा है।

अमोनिया संयंत्रों में अमोनिया ऊर्जा बचत परियोजना का कार्यान्वयन, जिससे अमोनिया की ऊर्जा में 0.4 Gcal/मी.टन की कमी आएगी, जिससे यूरिया ऊर्जा में 0.23 Gcal/ मी.टन की कमी आएगी। इस परियोजना में Haldor Topsoe एक्सचेंज रिफॉर्मर का कार्यान्वयन, सेकेंडरी रिफॉर्मर का प्रतिस्थापन, सिंथेसिस गैस कंप्रेसर टर्बाइन का प्रतिस्थापन, सिंथेसिस गैस कंप्रेसर का पुनरुद्धार और दोनों अमोनिया संयंत्रों में कुछ एक्सचेंजर्स का प्रतिस्थापन शामिल है। इस परियोजना के वर्ष 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

15 एमटीपीएच ब्रिकेट फायर्ड बॉयलर की शुरू होने की अवस्था में है, जो मिथाइल एमाइन संयंत्रों को सस्ती भाप की आपूर्ति करेगा, जिससे उत्पादन की लागत कम हो जाएगी। इसके अलावा ब्रिकेट बायोमास से बनाया जाता है, इसलिए ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने वाला ब्रिकेट कार्बन न्यूट्रल है।

थल में 10000 मेट्रिक टन की क्षमता वाले नए अमोनिया स्टोरेज टैंक की स्थापना। टैंक अभी निर्माणाधीन अवस्था में है और इसके सितम्बर 2025 में शुरू होने की उम्मीद है।

जल उपचार संयंत्र में अल्ट्राफिल्ट्रेशन की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, जो सर्विस बॉयलरों और अमोनिया संयंत्र को आपूर्ति किए जाने वाले डीमिनरलाइज्ड पानी में कोलाइडल सिलिका को कम करेगा।

अधिक वृत्तांकन पेज नं. 17 पर...

श्री संजय पेटकर, महाप्रबंधक (आईटी)

श्री संजय पेटकर को महाप्रबंधक (आईटी) के पद पर पदोन्नत किया गया है। श्री संजय पेटकर ने विश्वेश्वरैया क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर (अब विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, आपने 1994 में राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) के प्रबंधन सेवा विभाग में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में अपनी व्यावसायिक यात्रा शुरू की।

अपने करियर की शुरुआत में, आपने बिक्री और वितरण तथा ऑनलाइन डिस्पैच प्रक्रिया के लिए सिस्टम विकसित करने में योगदान दिया। 1995 में, आप आरसीएफ कर्मचारियों के वेतन संशोधन के लिए सिस्टम विकास में शामिल थे, जो बकाया और पूर्वप्रभावी आयकर की सही गणना सुनिश्चित करता था।

1996 तक, मार्केटिंग की आवश्यकताओं को समेकित करके क्षेत्रीय कार्यालय विपणन और लेखा प्रणाली को बढ़ाने पर काम किया और कॉर्पोरेट सिस्टम के साथ एक प्रभावी इंटरफ़ेस विकसित किया, जिससे केंद्रीय कार्यालय से लगातार समर्थन मिलता रहा।

इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर आरसीएफ के कस्टम ईआरपी सिस्टम, ENTRIS के डिजाइन और कार्यान्वयन में मेरी भागीदारी थी। आपने तकनीकी दायरे का मसौदा तैयार करने, हार्डवेयर खरीद की योजना बनाने और उपयोगकर्ता और परामर्श टीम के साथ समीप सहयोग में काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 1999 में Y2K चुनौती आई। प्लेटफ़ॉर्म AOS/VS, COBOL, Infos-II डेटाबेस और C/Ingress पर आधारित महत्वपूर्ण विरासत प्रणालियों के अनुपालन का प्रबंधन किया, जिससे एक सहज और समय पर परिवर्तनकाल सुनिश्चित हुआ।

2001 में, आरसीएफ की विपणन की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बिक्री प्रबंधन प्रणाली (एसएमएस) विकसित की गई थी। इस प्रणाली को मार्केटिंग क्षेत्र के कार्यालयों में तैनात किया गया और कॉर्पोरेट में समेकन और रिपोर्टिंग के लिए इसे और बेहतर बनाया गया।

आरसीएफ के अतिरिक्त, महाराष्ट्र सरकार के लिए एक उर्वरक नमूनाकरण वेबसाइट विकसित करने में योगदान दिया, जिसे एनआइसी पुणे में होस्ट किया गया था।

2004 में एसएपी ईआरपी की शुरुआत के साथ, आप मूल्यांकन, दस्तावेज़ीकरण और कार्यान्वयन रणनीति बनाने में शामिल थे। बिक्री, वित्त, सामग्री प्रबंधन और उत्पादन योजना जैसे कई कार्यात्मक क्षेत्रों की कोर टीमों के साथ सहयोग किया। इसमें डेटा संग्रह, क्लींजिंग और नए प्लेटफ़ॉर्म पर निर्बाध माइग्रेशन की देखरेख में शामिल थे ।

मार्केटिंग कार्यालयों में एसएपी ईआरपी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, MPLS VPN कनेक्टिविटी स्थापित की गई थी। MPLS VPN समाधान 2014 तक लागू था, बाद में इसे ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर से बदल दिया गया।

2012 में, एसएपी ईआरपी को ECC6 EHP4 में अपग्रेड किया गया, जिसमें ESS, MSS और सॉल्यूशन मैनेजर जैसे मॉड्यूल एकीकृत किए गए। व्यवसाय निरंतरता के लिए डिजास्टर रिकवरी (DR) साइट और तृतीयक बैकअप साइट स्थापित करने में योगदान दिया।

आरसीएफ के डिजिटल परिवर्तन के हिस्से के रूप में, ट्रॉम्बे और थल इकाइयों में प्रमुख स्थानों पर ईमेल, SharePoint-आधारित इंट्रानेट पोर्टल और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के लिए माइक्रोसॉफ्ट समाधानों की तैनाती में शामिल है।

2017 में जीएसटी की शुरूआत के साथ, आपने एसएपी ईआरपी को जीएसटी आवश्यकताओं के साथ संरेखित करने के लिए अनुपालन परियोजना का नेतृत्व किया, जिसमें वास्तविक समय ई-इनवॉइसिंग और सरकारी प्रणालियों के साथ ई-वे बिल एकीकरण शामिल है।

अधिक वृत्तांकन पेज नं. 30 पर...

श्री प्रकाश एम. महाजन, महाप्रबंधक (कॉम्प्लेक्स/आर एंड डी)

श्री प्रकाश एम. महाजन को 1.11.2024 से महा प्रबंधक (कॉम्प्लेक्स/आरएंडडी) के पद पर पदोन्नत किया गया है और वे सुफला, एएनपी, यूरिया गोल्ड, बैगिंग और मैटेरियल हैंडलिंग प्लांट, रेलवे टीएंडसी, आर एंड डी (कृषि), मैकेनिकल, ऑटो और इंस्ट्रूमेंट वर्कशॉप तथा डॉक्यूमेंटेशन सेल का कार्यभार संभालेंगे। उन्हें एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (IMS) और प्रोटेक्ट एंड सस्टेन (P&S) प्रणाली के लिए प्रबंधन प्रतिनिधि (MR) के पद पर भी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने जून 1992 में श्री गुरु (Gobind)सिंहजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नांदेड़, महाराष्ट्र के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से इंस्ट्रूमेंटेशन में बीई की डिग्री Distinction ke sath हासिल ki । उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट की डिग्री भी हासिल की है। वह एक प्रशिक्षित सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट, पीपल कैपेबिलिटी मैच्योरिटी मॉडल (PCMM) लेवल II के लिए प्रमाणित आंतरिक लेखा परीक्षक और आईएमएस (IMS) सिस्टम और आईएसओ 50001 एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए प्रमाणित आंतरिक लेखा परीक्षक भी हैं।

वह दिसंबर 1992 में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में आरसीएफ में शामिल हुए। प्रारंभिक प्रशिक्षण अवधि के बाद, उन्हें आरसीएफ ट्रॉम्बे यूनिट में न्यू स्टीम जनरेशन प्लांट में तैनात किया गया, जहां उन्होंने प्रमुख सुधार कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जैसे कि लाइट ऑयल (LO) को गैस आधारित बॉयलर ignitor सिस्टम में बदलना, तीनों बॉयलरों के लिए न्यूमैटिक और रिले-आधारित नियंत्रण प्रणाली को योकोगावा डिस्ट्रिब्यूटेड कंट्रोल सिस्टम (DCS) से बदलना, एलएसएचएस (LSHS) तेल भंडारण, पंपिंग और बर्नर सिस्टम का सुधार, पुराने जल उपचार संयंत्र (WTP-0) को स्थानांतरित करना आदि। बॉयलर डीसीएस परियोजना के दौरान, उन्होंने बिना किसी सलाहकार की madat के अकेले ही सभी तेल और गैस बर्नर सिस्टम रिले-आधारित इंटरलॉक लॉजिक को डीसीएस सॉफ्टवेयर में बदल दिया। इसके बाद, Unke नेतृत्व me बॉयलर I और III के ऑपरेटर कंसोल को बॉयलर II नियंत्रण कक्ष में स्थानांतरित कर दिया, ताकि सभी बॉयलरों का केंद्रीकृत संचालन प्राप्त किया जा सके। Ullekhniya baat yah hai ki Yah kaam मेसर्स योकोगावा से ज़्यादा सहायता के बिना बॉयलर चालू स्थिति के दौरान kiya gaya क्योंकि उस समय अधिकांश जापानी ओइएम ने आरसीएफ पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में जल उपचार संयंत्र (WTP) नियंत्रण प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए, उन्होंने प्रस्ताव को मंजूरी दिलाने, विनिर्देशों (specifications) को अंतिम रूप देने और प्रणाली की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पहली बार था कि वितरित (distributed)I/O के साथ नियंत्रण प्रणाली को आरसीएफ में कहीं भी सफलतापूर्वक लागू किया गया था।

जुलाई 2004 में उन्हें अमोनियम नाइट्रो-फॉस्फेट (एएनपी) संयंत्र में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उन्होंने 2006 में प्लांट इंजीनियर रहते हुए जल्द ही अनुभागीय प्रमुख (इंस्ट्रूमेंटेशन) के रूप में कार्यभार संभाला। यहां उन्हें कई चुनौतीपूर्ण इन-हाउस परियोजनाओं पर निकटता से काम करने का अवसर मिला, जैसे कि वेट पार्ट रिवैम्पिंग (अनग्राउंड रॉक सिस्टम, सैंड फिल्टर और सीएन फिल्टर सहित), चाक (Chalk) शुद्धिकरण परियोजना और एएन क्षमता वृद्धि परियोजना, जहां सही इंस्ट्रूमेंटेशन / नियंत्रण वाल्व विनिर्देशों को अंतिम रूप देना, उनकी खरीद और स्थापना बिना किसी बाहरी परामर्श की मदद के विभागीय रूप से उनके मार्गदर्शन में की गई। उन्होंने इंस्ट्रूमेंटेशन प्रणालियों में कई सुधार भी किए जैसे कि Rock phosphate के स्तर के मापन के लिए गाइडेड वेव रडार (Rope type GWR) की स्थापना, एएन मेल्ट और स्लरी टैंकों के लिए गैर-संपर्क रडार स्तर ट्रांसमीटर, फिल्टर ओईएम-एम/एस लैरॉक्स (M/s Larox) के माध्यम से लाइम फिल्टर के बेल्ट ट्रैकिंग सिस्टम का उन्नयन, सीएन रिएक्टरों के लिए ऑनलाइन पीएच माप का प्रावधान, महत्वपूर्ण DIN मानक अप्रचलित गुल्डे नियंत्रण वाल्वों को बेहतर डिजाइन वाले ANSI मानक नियंत्रण वाल्वों से प्रतिस्थापित करना, एनपी और एएन मेल्ट टैंकों के लिए स्वचालित जल बाढ़ प्रणाली का प्रावधान, सीएन रिएक्टर me ratio control सांद्रता इकाई , एएन रिएक्टरों के लिए अनुपात

अधिक वृत्तांकन पेज नं. 33 पर...

श्री देवेंद्र डाफे, महाप्रबंधक (एचएसई/एसजीपी/जीटीजी/ईईएस)

श्री देवेंद्र डाफे ने 1 जनवरी 2025 को महा प्रबंधक (एचएसई/एसजीपी/जीटीजी/ईईएस) के रूप में कार्यभार संभाला था ।

श्री देवेंद्र डाफे ने अमरावती के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया था।

श्री. देवेंद्र डाफे ने वर्ष 1990 में आरसीएफ में ट्रॉम्बे यूनिट में अपना कैरियर शुरू किया था। उन्होंने अमोनियम नाइट्रो-फॉस्फेट (एएनपी), यूरिया ग्रुप ऑफ़ प्लांट्स और स्टीम जेनरेशन ग्रुप ऑ. फ प्लांट्स में प्लांट इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस में विभिन्न पदों पर काम किया था। ड्रम मोटर्स को गियर मोटर्स द्वारा प्रतिस्थापित करना, 11 केवी और 3.3 केवी स्विचगियर्स में वैक्यूम सर्किट ब्रेकर्स द्वारा मिनिमम ऑयल सर्किट ब्रेकर्स की रेट्रोफिटिंग, रेकेम टर्मिनेशन द्वारा पुराने कंपाउंड भरे एचटी टर्मिनेशन को प्रतिस्थापित करना जैसी कई योजनाएं बार-बार होने वाली विफलताओं के कारण प्लांट डाउनटाइम को कम करने और बिजली प्रणाली में सुधार करने के लिए लागू की गईं।

वर्ष 2009 में उन्हें इलेक्ट्रिकल वर्कशॉप का सेक्शनल हेड नियुक्त किया गया था। यहीं पर उन्होंने ट्रॉम्बे यूनिट में आरसीएफ में पहली बार हाई मास्ट लाइटिंग संकल्पना पेश की थी। अब इसका इस्तेमाल ट्रॉम्बे और थल इकाइयों में व्यापक रूप से किया जाता है, जिसमें इसकी टाउनशिप भी शामिल हैं। ट्रॉम्बे में एलटी और 3.3 केवी एचटी मोटर्स की सभी रेटिंग के स्टेटर वाइंडिंग को बेकिंग के लिए एडवांस्ड इलेक्ट्रिक ओवन की स्थापना और कमीशनिंग में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, ताकि इलेक्ट्रिक मोटर्स के जीवन को बढ़ाने के लिए इसके आईआर मूल्य में सुधार किया जा सके। नई 3.3 केवी मोटर टेस्टिंग बेंच शुरू की गई थी, क्योंकि यह सुविधा पहले फैक्ट्री परिसर में उपलब्ध नहीं थी।

वर्ष 2011 में उनका तबादला मेथनॉल ग्रुप ऑफ़ प्लांट्स में हो गया था। हाल ही में पुनर्निर्मित मेथनॉल संयंत्र की बिजली प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए, उन्होंने 40 वर्ष से अधिक पुराने दो 1.25 एमवीए बिजली वितरण ट्रांसफार्मर को नए ऊर्जा बचत ट्रांसफार्मर से बदलने का बीड़ा उठाया था और मेथनॉल और एएनपी ग्रैनुलेशन संयंत्र दोनों के लिए नए चालू किए गए 3.3 केवी स्विचगियर के लिए दूसरे स्रोत के रूप में एक और 4.5 एमवीए, 3.3 केवी ट्रांसफार्मर भी जोड़ा था। पावर मोटर कंट्रोल सेंटर (पीएमसीसी) में मौजूदा इलेक्ट्रोमैकेनिकल रिले को तेजी से काम करने वाले अत्याधुनिक न्यूमेरिकल रिले से बदलना और मेथनॉल स्टोरेज मोटर कंट्रोल सेंटर (एमसीसी) और ग्राउंड रिजर्वायर एमसीसी को बदलने का कार्य उनके कार्यकाल के दौरान पूरा हुआ। उन्होंने एफसीएमए (फ्लक्स कम्पेनसेटेड मैग्नेटिक एम्प्लीफायर) सॉफ्ट स्टार्टर की अवधारणा पेश की, जो अपने हार्मोनिक-मुक्त प्रचालन और नए सेलास कूलिंग टॉवर पंपों के उच्च रेटिंग वाले 200 किलोवाट मोटर्स के लिए एक सुचारू, नियंत्रित ॲक्सलरेशन प्रदान करने की क्षमता के लिए जाना जाता है, जो मौजूदा बिजली वितरण ट्रांसफार्मर की पावर रेटिंग बाधा के कारण है।

वे पीएपी ग्रुप ऑफ प्लांट्स में शामिल हुए, जिसमें पीएपी, एसएपी और सीएनए शामिल हैं। यहां उन्होंने वर्ष 2010 में कमीशन किए गए एल एंड टी निर्मित 11 केवी स्विचगियर के ऑन-साइट पुनरुद्धार का कार्य किया, जो सुफला , सुफला बैगिंग और एसटीपी/ईटीपी को नवीनतम सुरक्षा अनुरूप स्विचगियर डिजाइन के साथ बिजली प्रदान करता है। बिजली प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार के लिए 40 वर्ष से अधिक पुराने 1.5 एमवीए के 2 ट्रांसफार्मर बदले गए हैं।

वर्ष 2018 से सीएम (ईईएस और ईडब्ल्यूएस), एजीएम (ईईएस और ईडब्ल्यूएस), डीजीएम (ईईएस और ईडब्ल्यूएस) और डीजीएम (एचएसई/एसजीपी/जीटीजी/ईईएस) के रूप में उन्होंने फैक्ट्री और टाउनशिप परिसर में 18000 से अधिक पारंपरिक लाइट फिटिंग को एलईडी लाइट फिटिंग द्वारा पूरी तरह से बदलने का बीड़ा उठाया, जिससे बिजली की खपत में औसतन 60इ की कमी आई। वर्ष 2018 में तकनीकी भवन में 100 किलोवाट का रूफ टॉप सोलर प्लांट और वर्ष 2019 में प्रशासनिक भवन में 150 किलोवाट

अधिक वृत्तांकन पेज नं. 19 पर...

श्री योगेश वी. गोखले, महाप्रबंधक (कॉन्ट्रॅक्ट सेल)

श्री योगेश गोखले, महाप्रबंधक (कांट्रैक्ट सेल), सिविल इंजीनियरिंग मैं बीई पूरा करने के बाद अक्टूबर 1994 मैं जूनियर इंजीनियर के रूप मैं आरसीएफ ट्रॉम्बे मैं शामिल हुए। शुरुआत मैं उन्हें फैक्ट्री सिविल विभाग मैं नियुक्त किया गया और बाद मैं उन्हें प्रशासन विभाग मैं काम करने का अवसर मिला। वे विभिन्न विपणन विभागों मैं निर्माण गतिविधियों मैं सक्रिय रूप से शामिल थे, जिसमे पंढरपुर में सुफला सेतु और उज्ज्वला सेतु एवंम रत्नागिरी, दिल्ली और लखनऊ कार्यालयो का निर्माण शामिल था।

आरसीएफ में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने सिविल विभाग में बहुत सारे सकारात्मक बदलाव किए। इनमे से कुछ इस प्रकार है। जैसे एम्बी लिखने का काम बदल कर एक्सेल शीट में बीलिंग चालू करना, आरसीएफ में बी टू मैन के रोड की जगह पर कंक्रीट रोड का निर्माण, यूरिया प्रिल टॉवर का अंदर से रखा रखाव एवं पेंटिंग, गैंट्री में विभिन्न रंगों के पत्रे लगाना ताकि अलग से खाद की पहचान हो सके और दिखने में सुंदर लगे, फैक्ट्री के ड्रेनेज सिस्टम का अभ्यास एवंम हर साल सुधार ताकि बारिश में ट्रांबे प्लांट में पानी न जमा हो, पुराने कंक्रीट स्ट्रक्चर जो जर्जर अवस्था में थे उन्हें तोड़कर नए इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण। फैक्ट्री एवंम टॉन्शिप स्थापत्य विभाग में, हर इमारत का पीरियाडिक स्ट्रक्चरल ऑडिट करना और एक्सटर्नल पेंटिंग करना ताकि इमारतों का ज्यादा वर्ष के लिए इस्तेमाल हो सके।

प्रशासन विभाग में वर्ष 2012 से एडमिन बिल्डिंग से नूतनीकरण की शुरुआत हुई और कर्मचारियों के आवासों में नूतनीकरण शुरू किया गया। कोविड महामारी के दरम्यान उन्होंने काफी सराहनीय योगदान दिया जिसमें प्लांट चलाने में मदद मिली जेसे की अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए गाडियां, फैक्ट्री में रहने की सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराना, कॉलोनी और फैक्ट्री में सुरक्षा के लिए दवाओं का छिड़काव एवंम कॉलनी में आवाजाही को नियंत्रित करना शामिल था।

विभिन्न सिविल परियोजनाओं जैसे नई आवासीय इमारते, ट्रॉम्बे के कारखाने और आवासीय क्षेत्रों मैं विभिन्न संयत्र / भवन जीवन वृध्दि योजनाओं, अन्य उत्पादन वृध्दि योजनाओं जैसे सुफला संयत्र मैं रखरखाव, एएनपी ग्रेन्यूलेशन प्लांट मैं यूरिया गोल्ड के उत्पादन के लिए सिविल संशोधन, आरसीएफ टाउनशिप मैं पानी की आपूर्ति का स्वचालन इत्यादि कार्य किए हैं।

जब सैप को आरसीएफ मैं नया पेश किया गया था, तो उन्होंने सिविल कार्यो के बिलिंग मैं सैप के उपयोग को सुव्यवस्थित किया और सिविल कार्यो की ई-टेंडरिंग भी शुरू की । महाप्रबंधक (कांट्रैक्ट सेल) के रूप मैं वह ट्राम्बे इकाई मैं विभिन्न सेवा और कार्य अनुबंधों को लाइनअप करने के किए विभिन्न विषयों की प्रक्रियाओं को मानकीकृत कर रहे है।

विविधताओं से भरे इस देश में
लगी भाषाओं की फुलवारी है,
इनमें हमको सबसे प्यारी
हिंदी मातृभाषा हमारी है।

श्री अनुपम सोनवणे, महाप्रबंधक (सामग्री), थल

श्री अनुपम सोनवणे दिनांक 1 फरवरी 2025 से महाप्रबंधक (सामग्री)थल, के पद पर कार्यरत हैं। इस पदोन्नति से पहले श्री अनुपम सोनवणे, उप महाप्रबंधक के रूप में आर.सी.एफ, थल के भंडार व क्रय विभाग का संचालन कर रहे थे।

श्री अनुपम सोनवणे ने विक्टोरिया जुबली टेक्निकल इंस्टीट्यूट (वीजेटीआई), मुंबई से बैचलर ऑफ इंजीनीयरींग (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) की डिग्री प्राप्त की और मार्च 1990 में प्रबंधन प्रशिक्षु (सामग्री) के रूप मे आर.सी.एफ परिवार से जुड़े। उन्होंने आर. सी.एफ ट्रोम्बे के क्रय विभाग में प्रबन्धक (प्रशिक्षु) के रूप में अपना कार्यारंभ किया। तत्पश्चात उन्होने 1991 में पुराने सुफला बैगिंग संयंत्र में पारी प्रभारी के रूप मे अपना कार्यभार संभाला। सुफला बैगिंग संयंत्र में 1996 तक अपना कार्यभार संभालने के बाद, क्रय और भंडार विभाग मे तकरीबन 5 साल तक महत्वपूर्ण काम सफलता से किया। तत्पश्चात उन्होने बैगिंग और मटेरियल हैंडिलिंग सयंत्र के, यूरिया बैगिंग, नए सुफला बैगिंग, मटेरियल हैंडिलिंग सयंत्र, तकनीकी कार्यालय, इन विभागो में अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

तत्पश्चात भंडार व क्रय विभाग मे उपसामग्री प्रबंधक, सामग्री प्रबन्धक, मुख्य सामग्री प्रबंधक ऐसे विविध पदों पर काम किया और अच्छी तरह से अपनी ज़िम्मेदारी निभायी। इस कार्यकाल के दौरान, वह GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) के नोडल अधिकारी थे, और आर.सी.एफ में GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यकाल के दौरान GeM, MSME, TREDS, आदि का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया।

लघु एवं सूक्ष्म उद्यमी,एससी/एसटी उद्योमी तथा महिला उद्योमी से खरीद के लिए, सरकारी वैधानिक मानदंडो का पालन करने के लिए, आपने विभिन्न वेंडर मीट, सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया तथा विभिन्न वेंडर मीट, सेमिनार कार्यक्रम मे शामिल होकर, आर.सी.एफ मे उपलब्ध व्यवसाय की संधि के बारे मे जानकारी दी। उन्होंने MSME, एससी/एसटी, महिला उद्योजक के लिए बड़े पैमाने पर पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसके परिणाम स्वरूप आर.सी.एफ ने पहली बार 128 MSME, एससी/ एसटी, महिला उद्यजको का पंजीकृत किया। एमएसएमई, एससी/ एसटी, महिला उद्योमी से निर्धारित खरेदी का सरकारी प्रावधानों (25%,4%,3%) को प्राप्त करने के लिए किया गया यह एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा है।

वह वस्तुओं की खरीद के नियमावली (MPG) को अपनाने के लिए गठित उपसमिति के सदस्य थे और उन्हें 'उत्कृष्ट कार्य पुरस्कार 2023' से पुरस्कृत किया गया। वस्तुओं की खरीद के नियमावली को अपनाने के लिए इन्हें प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

उन्होंने आर.सी.एफ मे GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) के कार्यान्वय मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके लिए भी उन्हे "उत्कृष्ट कार्य पुरस्कार 2023" दिया गया। उन्हें GeM के सभी विभागों को शामिल करके मूल्य संवर्धन हेतु नई सुविधाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

उन्होंने छे सिग्मा के ग्रीन बेल्ट भी हासिल किए है। उन्हें मनोविज्ञान में गहरी रुचि है और उन्होने औद्योगिक मनोविज्ञान की शिक्षा प्राप्त की और NLP पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। वह स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और नियमित रूप से योग साधना करते हैं। वे ओक्ल्ट विज्ञान रेकी में ग्रांड मास्टर हैं और मदद, परामर्श और हीलिंग के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

कंपनी के निर्धारित लक्ष्य की दिशा मे सभी कार्यो और जिम्मेदारियों के प्रति उनका सकारत्मक एवं ईमानदारी से योगदान, उनकी टीम के सदस्यो के दृष्टिकोण को प्रभावित करता है, तथा उन्हे अपने कुशलता को विकसित करने मे सहायता करता है और भविष्य मे संगठन के वरिष्ठ भूमिका निभाने के लिए उन्हें तैयार करता है। वह टीम के लक्ष्यों के साथ संगठन के लक्ष्यों को संरेखित करते हैं, कार्यों कों प्रभावी रूप से सोपते है और लक्ष्य को स्पष्ट रूप से निर्धारित करते है। अपने लोगो मे सर्व श्रेष्ठता लाकर सफलता हासिल करने के लिए टीम को तैयार करते है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) ने गंगाधर देशमुख हॉल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक फुरतीला और उद्देश्यपूर्ण समारोह का आयोजन किया। सीएमडीसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का विषय था "कार्रवाई में तेजी लाना" । यह थीम, लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और सभी उद्योगों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तेजी से और एकीकृत कार्रवाई करने पर केंद्रित थी, जिसने चिंतन, कार्रवाई और खुशी का माहौल तैयार किया।

इस कार्यक्रम में हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस.सी. मुडगेरीकर, निदेशक (वित्त) सुश्री नज़हत शेख, निदेशक (तकनीकी) सुश्री ऋतु गोस्वामी, निदेशक (विपणन) श्री निरंजन सोनक, मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. श्री राहुल जगताप और आरसीएफ के वरिष्ठ प्रबंधन और सभी महिला कर्मचारी उपस्थित थे।

इस समारोह में सम्मानित पुलिस अधिकारी डॉ. दीपाली धाटे ने मुख्य भाषण दिया, जिसने सभी उपस्थित लोगों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। डॉ. धाटे के प्रभावशाली शब्दों ने इस बात पर जोर दिया कि आज की दुनिया में नेता, नवोन्मेषक और बदलाव के वाहक के रूप में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक ऐसे समाज का समर्थन करने और उसे विकसित करने का उनका आव्हान, जहाँ महिलाएँ सुरक्षित और समान वातावरण में पनप सकें, सभी उपस्थित लोगों के दिलों में गूंज उठा, जिससे सच्ची लैंगिक समानता हासिल करने के लिए आवश्यक कार्यों की तत्काल आवश्यकता पर बल मिला।

महिला दिवस के अवसर पर, कर्मचारियों को "कार्रवाई में तेज़ी" विषय पर आधारित निबंध और कविता प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर भी मिला। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बडी संख्या में इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर अपने प्रेरक विचार और चिंतन साझा किए। विजेताओं को सम्मानित किया गया और उनके योगदान को दर्शकों से अच्छी तरह से मान्यता मिली।

समग्र कल्याण के प्रति आरसीएफ की प्रतिबद्धता के अनुरूप, समारोह के दौरान दो महत्वपूर्ण कल्याण सत्र आयोजित किए गए:

क्षय (टीबी) जागरूकता सत्र, जिसमें कर्मचारियों को टीबी के शुरुआती लक्षणों, निवारक उपायों और समय पर चिकित्सा सहायता लेने के महत्व के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई।

ध्वनि उपचार सत्र, जिसने उपस्थित लोगों के लिए एक आरामदेह और तरोताजा करने वाला अनुभव प्रदान किया।

कार्यक्रम का सांस्कृतिक भाग नारीत्व का एक प्रभावशाली समारोह था। नृत्य प्रदर्शन और मोनो एक्टिंग एक्ट ने महिलाओं की ताकत, लचीलापन और सुंदरता को जीवंत कर दिया, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ गया।

कार्यक्रम की ऊर्जा को श्री एमसी फेबियन ने पूरे समय उच्च स्तर पर बनाए रखा, जिन्होंने कई मजेदार खेल और इंटरैक्टिव गतिविधियों

का आयोजन किया। दर्शकों के साथ उनकी रोचक बातचीत ने सक्रिय सहभागियों को प्रोत्साहित किया और खुशी, हंसी और सौहार्द का माहौल बनाया।

कार्यक्रम का समापन एक रोमांचक तरीके से हुआ, जिसमें लकी ड्रा की घोषणा सुश्री मुडगेरीकर ने की । भाग्यशाली विजेताओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया, जिससे कार्यक्रम का समापन एक उत्साहपूर्ण और प्रफुल्लित तरीके से हुआ, जो प्रेरणादायक और अविस्मरणीय दोनों था।

आरसीएफ का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह सिर्फ़ एक आयोजन नहीं था - यह कार्रवाई के लिए एक शक्तिशाली आह्वान था। आकर्षक भाषणों, रचनात्मक अभिव्यक्तियों, स्वास्थ्य सत्रों, सांस्कृतिक प्रदर्शनों और संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से, इस समारोह ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तत्काल और निरंतर कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम एक जोरदार अनुस्मारक था कि ठकार्रवाई में तेज़ी लानाठ सिर्फ़ एक थीम नहीं है - यह एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण, निरंतर प्रतिबद्धता है जहाँ महिलाएँ वास्तव में आगे बढ़ सकती हैं और नेतृत्व कर सकती हैं। एक ऐसा विश्व बनाने की प्रतिबद्धता जहां महिलाएं वास्तव में उन्नति कर सकें और नेतृत्व कर सकें।

पेज नं. 10 से आगे (श्रीमती ज्योति पाटिल, कार्यपालक निदेशक (परियोजना).....

अन्य आगे आने वाली परियोजनाओं में एमआईडीसी जल में कोलाइडल सिलिका को कम करने के लिए हाई रेट सॉलिड कॉन्टैक्टर क्लेरिफायर (एचआरएससीसी) की स्थापना और कारखाने से उत्पन्न अधिकतम अपशिष्ट को पुनर्चक्रित करने के लिए ईटीपी उन्नयन चरण- II की स्थापना शामिल है।

अपने पूर्व के कार्यकाल के दौरान उन्होंने तकनीकी सेवाओं जैसे केंद्रीय प्रयोगशाला, स्टीम जेनरेशन प्लांट, अपशिष्ट उपचार संयंत्र, प्रबंधन सेवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी विभागों का प्रभार संभाला है।

• आरसीएफ द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित "कॉर्पोरेट उत्कृष्टता पुरस्कार 2024" प्राप्त किया। • दिल्ली में फ़र्टिलाइज़र एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के वार्षिक सेमिनार 2024 में भाग लिया। • सिंगापुर में अंतर्राष्ट्रीय फ़र्टिलाइज़र एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन 2024 में भाग लिया। • आरसीएफ थल में पिछले 3 दशकों में ऊर्जा दक्षता उपायों के बारे में FAI वार्षिक सेमिनार 2021 में प्रस्तुति। •आरसीएफ द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित 'पर्ल पुरस्कार 2020' प्राप्त किया। • दिसंबर 2018 में FAI द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ . फर्टिलाइज़र्स में एक लेख "अमोनिया प्लांट में बढ़ते मध्य-बिंदु तापमान को नियंत्रित करने के लिए रिफ़ॉर्म्ड गैस वेस्ट हीट बॉयलर की ऑनलाइन सफाई" प्रकाशित किया गया था। • इंस्टीट्यूट ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइजेज (IPE) द्वारा प्रतिष्ठित महिला उत्कृष्टता पुरस्कार - 2016 (विनिर्माण क्षेत्र, उर्वरक के लिए- वरिष्ठ स्तर पर) प्राप्त किया।

उनका जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है और वह ब्रिस्क वॉक और योग के द्वारा अपनी शारीरिक फिटनेस बनाए रखती हैं।

मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा

भारतीय राज्यघटनेत मराठी भाषेला अभिजात भाषेचा दर्जा देण्यात आलेला आहे. आपल्या कंपनीचे कार्यालय महाराष्ट्र राज्यात स्थित असल्याने सरकारी कामकाजात मराठी भाषेला प्रोत्साहन आणि प्रेरणा देण्याचे धोरण स्वीकारणे हा त्याचा उद्देश आहे. महाराष्ट्र शासनाने मराठी भाषेचे वैभव जपण्यासाठी व भाषेच्या संवर्धनासाठी राज्यभर दरवर्षी दिनांक 14 ते 28 जानेवारी ह्या कालावधीमध्ये 'मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा' साजरा करण्याचा निर्णय घेतला आहे. त्याअनुषंगाने मराठी भाषेच्या कार्याला चालना देण्याच्या उद्देशाने, दरवर्षी आम्ही आपले कर्मचारी आणि त्यांच्या कुटुंबातील सदस्यांसाठी वर्ष 2018 पासून अनेक स्पर्धा आयोजित करीत आहोत. आरसीएफमध्ये दिनांक 14 ते 28 जानेवारी, 2025 ह्या कालावधीमध्ये मराठी भाषेचे वैभव जपण्यासाठी, मराठी भाषेचा प्रचार-प्रसारासाठी व मराठी भाषेच्या संवर्धनासाठी 'मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा' साजरा करण्यात आला.

ह्या मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडयाचे औचित्य साधून विविध स्पर्धा आयोजित करण्यात आल्या होत्या. त्याचा निकाल खालीलप्रमाणे आहे:-

1. **मराठी भाषांतर स्पर्धा -** प्रथम - श्री राजेश मेस्त्री, द्वितीय - श्री प्रतिक भोसले, तृतीय - श्री राज सावंत, उत्तेजनार्थ - श्री भूषण गायचोर, श्री अक्षय गभाले, श्री भूषण चौगुले
2. **मराठी शुद्ध आणि सुलेखन (स्व-हस्तलिखित) -** प्रथम - सुश्री स्वरूपा सुर्वे, द्वितीय - श्री सतिश येरेकार, तृतीय - श्री अनिल गायकवाड, उत्तेजनार्थ - श्री राजेश मेस्त्री, श्री अनिल पवार, सुश्री श्रुती सावंत
3. **मराठी पत्र लेखन स्पर्धा -** प्रथम - श्री अमोल एन पाटील, द्वितीय - श्री तुषार विसावे, तृतीय - श्री दीपक मुळये, उत्तेजनार्थ - श्री प्रमोद तांडेल, सुश्री दिपाली आढाव, सुश्री श्रध्दा गायकवाड
4. **मराठी गायन स्पर्धा -** प्रथम - श्री अभिजीत सुतार, द्वितीय - श्री मिलिंद पार्सेकर, तृतीय - श्री अंकित मराळ, श्री वाल्मिक शिंदे, उत्तेजनार्थ - सुश्री शिवांगी त्रिपाठी, श्री विपुल बुंदके, श्री प्रसाद पांचाल

पेज नं. 13 से आगे (श्री देवेंद्र डाफे, महाप्रबंधक (एचएसई/एसजीपी/जीटीजी/ईईएस).....

का रूफ टॉप सोलर प्लांट स्थापित किया और उसे चालू किया गया।

ट्रॉम्बे में 2 मेगावाट सौर संयंत्र के सौर ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से 6499 आरईसी (नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र) की बिक्री से 1.06 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ।

ऊर्जा की बचत के लिए स्ट्रीट और प्लांट लाइटिंग के लिए ऐप आधारित स्मार्ट टाइमर और ऑफिस के लिए मोशन सेंसर की अवधारणा को लागू किया गया। सभी मौजूदा पुराने PILC और PVC प्रकार के प्ऊ केबल (लंबाई में 10 कि.मी. से अधिक) को नवीनतम FRLS XLPE HT केबल से बदला गया है, जिससे पूरे फैक्ट्री पावर सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ गई है।

आरसीएफ ट्रॉम्बे में मौजूदा विद्युत वितरण प्रणाली के साथ 2×25 मेगावाट जीटीजी का एकीकरण उनके मार्गदर्शन में हुआ है।

मुख्य रिसीविंग स्टेशन (एमआरएस), एसजीपी और एसटीपी-1 पर तीन प्रमुख 11 केवी स्विचगियर, एएनपी पर 3.3 केवी स्विचगियर और विभिन्न प्लांट स्थानों पर पीएमसीसी, पीसीसी और एमसीसी को नवीनतम अत्याधुनिक स्विचगियर से बदला जा रहा है ताकि बिजली प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार हो सके। 11 केवी एएनपी स्विचगियर और यूरिया-Five और एसजीपी स्विचगियर के 3.3 केवी स्विचगियर को बदलने की योजना बनाई गई है। बिजली प्रणाली की विश्वसनीयता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए एमआरएस, एसजीपी, अमोनिया- I और पीएपी पर प्रमुख 11 केवी स्विचगियर की एयर कंडीशनिंग की जा रही है।

विद्युत प्रणाली की विश्वसनीयता और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आरसीएफ ट्रॉम्बे के सभी संयंत्रों में कार्यान्वित और कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

32वाँ वार्षिक क्यूसी अधिवेशन

आरसीएफ ट्रॉम्बे यूनिट का 32वां वार्षिक क्यूसी अधिवेशन 6 मार्च 2025 को गंगाधर देशमुख सभागृह में आयोजित किया गया।

6 मार्च 2025 को माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री. एस.सी. मुडगेरीकर के हाथों अधिवेशन का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन और क्यू.सी. गीत के साथ संपन्न हुआ। समारोह में आर.सी.एफ. स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वनिचित्रफित एवं आर.सी.एफ. प्रतीकचिन्ह का अनावरण किया गया।

श्री अमित मानकर, मुख्य प्रबंधक (औद्यो.अभि.) द्वारा ट्रॉम्बे के क्वालिटी कॉन्सेप्ट गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण किया गया ।

श्री विक्रम जावळे, कार्यपालक निदेशक (ट्रॉम्बे) ने क्वालिटी कन्सेप्टस के बारे में जानकारी दी और कर्मचारी सहभागिता की योजना में कर्मचारियों के सक्रिय सहभाग पर जोर दिया।

माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी ने आरसीएफ के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला और मंच को संबोधित किया। क्यूसी सदस्यों द्वारा नृत्य नाटीका प्रस्तुत की गयी ।

17 फरवरी 2025 को क्वालिटी सर्कल/लीन क्वालिटी सर्कलों का पूर्व अधिवेशन प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया जिसमें 83 क्यूसी/लीन क्यूसी शामिल हुए। क्यूसी/एलक्यूसी टीमों ने निर्धारित समय स्लॉट के साथ पांच अलग-अलग हॉलों में अपने केस स्टडी प्रस्तुत की । इन केस स्टडीज का मूल्यांकन क्यूसीएफआई मुंबई चैप्टर के विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा किया गया ।

विभिन्न क्यूसी/एलक्यूसी पुरस्कार गणमान्य व्यक्तियों के हाथों वितरित किए गए।

डॉ. रेखा देवडिगा, उप महा प्रबंधक (अस्पताल) ने टीबी उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित टीबी मुक्त भारत के '100 दिवसीय अभियान' के बारे में जानकारी दी। अंत में राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

माननीय सीएमडी, श्री.एस.सी.मुडगेरीकर
दीप प्रज्जवलित करते हुए।

माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा मुख्य भाषण

श्री विक्रम जावळे, कार्यपालक निदेशक (ट्रॉम्बे) संबोधित करते हुए।

आर.सी.एफ. प्रतीकचिन्ह का अनावरण

विस्तृत पुरस्कार

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्यूसी - प्रथम पुरस्कार -
कर्मवीर क्यूसी, नायट्रिक एसिड संयंत्र

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्यूसी - द्वितीय पुरस्कार -
स्वराज क्यूसी, बैगिंग एण्ड मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्यूसी - तृतीय पुरस्कार -
फ्युजन क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र

सर्वश्रेष्ठ एलक्यूसी - प्रथम पुरस्कार -
एलक्यूसी एसजीपी, स्टीम जनरेशन संयंत्र

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रचालन प्रबंधक पुरस्कार श्री. बी. वी. कोसमकर,
उप महा प्रबंधक (बै. एण्ड मटे. हॅण्ड. संयंत्र) और
श्री. सदानंद भाम्बूरे, सहायक महा प्रबंधक (एसजीपी)

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संयंत्र क्यूसी समन्वयक पुरस्कार -
श्री आर. ससिकुमार, मुख्य प्रबंधक (उत्पादन),
अमोनिया-5 संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 30 वर्ष पूरे किये -
सनग्रेस क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 20 वर्ष पूरे किये -
ऑटोपावर क्यूसी, ऑटो कार्यशाला

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 20 वर्ष पूरे किये -
सिद्धी क्यूसी, बैगिंग एण्ड मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 20 वर्ष पूरे किये -
स्टीमपावर क्यूसी, एसजीपी संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 20 वर्ष पूरे किये -
सुश्रुषा क्यूसी, ओ.एच.सी. विभाग

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 20 वर्ष पूरे किये -
विजेता क्यूसी, सुफला संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 10 वर्ष पूरे किये -
अभय क्यूसी, नाइट्रिक एसिड संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 10 वर्ष पूरे किये -
इंस्पिरेशन क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 10 वर्ष पूरे किये - कल्पवृक्ष क्यूसी, एस.ए.पी./सी.एन.ए. संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 10 वर्ष पूरे किये - सफायर क्यूसी, एस.ए.पी./सी.एन.ए. संयंत्र

क्यूसी/एलक्यूसी अभियान में 10 वर्ष पूरे किये - एल.क्यू.सी. पी.एच.एस., पी.एच.एस. विभाग

एन.सी.क्यू.सी. 2024 में सर्वश्रेष्ठ क्यूसी और पार एक्सेलन्स अवार्ड के लिए मशाल सुप्रीम ट्रॉफी - अश्वमेध क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र

एन.सी.क्यू.सी. 2024 पार एक्सेलन्स अवार्ड

फ्युजन क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र

त्रिशूल क्यूसी, सुफला संयंत्र

समृद्धि क्यूसी, सुफला संयंत्र

एकता क्यूसी, सुफला संयंत्र

स्वराज क्यूसी, बैगिंग एण्ड मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र

सनग्रेस क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र

ए.एन.पी. कैझन टीम, ए.एन.पी. संयंत्र

स्पार्कल पाँच-एस टीम, केंद्रीय रासायनिक प्रयोगशाला

हॉल नंबर 1 विजेता -
अश्वमेध क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र

नंबर 1 फर्स्ट रनर अप -
विजेता क्यूसी, सुफला संयंत्र

हॉल नंबर 1 सेकेंड रनर अप -
शोध क्यूसी, यूरिया/एबीसी संयंत्र

हॉल नंबर 2 विजेता -
ग्रॅविटी क्यूसी, एसजीपी/जीटीजी संयंत्र

हॉल नंबर 2 फर्स्ट रनर अप -
एक्वागोल्ड क्यूसी, एसटीपी/ईटीपी

हॉल नंबर 2 सेकेंड रनर अप -
सहयोग क्यूसी, बैगिंग/मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र

हॉल नंबर 3 के विजेता -
विद्युत क्यूसी, विद्युत कार्यशाला

हॉल नंबर 3 फर्स्ट रनर अप -
क्रिस्टल क्यूसी, यूरिया/एबीसी संयंत्र

हॉल नंबर 3 सेकेंड रनर अप -
उडान क्यूसी, सुफला संयंत्र

हॉल नंबर 4 विजेता -
ए.एन.सुप्रीम क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र

हॉल नंबर 4 फर्स्ट रनर अप -
सिद्धि क्यूसी, बैगिंग एण्ड मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र

हॉल नंबर 4 सेकेंड रनर अप -
डू-ऑल क्यूसी, यांत्रिकी कार्यशाला

हॉल नंबर 5 विजेता -
एलक्यूसी सुफला, सुफला संयंत्र

हॉल नंबर 5 फर्स्ट रनर अप -
एलक्यूसी एसजीपी, स्टीम जनरेशन संयंत्र

हॉल नंबर 5 सेकेंड रनर अप -
एलक्यूसी स्टैलियन, यूरिया/एबीसी संयंत्र

हॉल नंबर 5 सेकेंड रनर अप -
एलक्यूसी आसमान, अमोनिया-5 संयंत्र

क्यूसीएफआई मुंबई चैप्टर के अध्यक्ष श्री. के बी भारती का सम्मान करते हुए सीएमडी साहब

गैर आरसीएफ कर्मचारियों से सर्वश्रेष्ठ क्यूसी -
सेवनस्टार क्यूसी, फॅक्टरी कैंटीन/एच.आर.

प्योर सर्विस स्ट्रीम से सर्वश्रेष्ठ क्यूसी/एलक्यूसी -
एलक्यूसी कृति, केंद्रीय रासायनिक प्रयोगशाला

सपोर्ट सर्विस स्ट्रीम से सर्वश्रेष्ठ क्यूसी -
ट्रॉमरेल क्यूसी, टी एण्ड सी रेल्वे यार्ड

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अप-कमिंग क्यूसी/एलक्यूसी -
ए.एन.सुप्रीम क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र

सर्वश्रेष्ठ केस स्टडी राइट-अप पुरस्कार -
दीप क्यूसी, सुफला संयंत्र

सर्वश्रेष्ठ क्यूसी रजिस्टर पुरस्कार -
त्रिशूल क्यूसी, सुफला संयंत्र

क्यूसी नॉलेज टेस्ट - प्रथम पुरस्कार -
मशाल क्यूसी, यूरिया/एबीसी संयंत्र

क्यूसी नॉलेज टेस्ट - फर्स्ट रनर अप -
कर्मवीर क्यूसी, नायट्रिक एसिड संयंत्र

क्यूसी नॉलेज टेस्ट - सेकेंड रनर अप -
एकता क्यूसी, सुफला संयंत्र

क्यूसी नॉलेज टेस्ट - प्रोत्साहन पुरस्कार -
ज्योत क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र

क्यूसी नॉलेज टेस्ट - प्रोत्साहन पुरस्कार -
स्टीमपावर क्यूसी, एस.जी.पी./जी.टी.जी. संयंत्र

क्यू.सी.एफ.आई. एन.सी.क्यू.सी. 2024: सम्मेलन परिणाम

QCFI द्वारा 27 से 30 दिसंबर 2024 तक ग्वालियर में 38वें वार्षिक क्वालिटी कन्सेप्टस का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। जिसमें ट्रॉम्बे यूनिट से 7 क्यूसी, 2 लीन क्यूसी, 3 पाँच-एस टीम और 1 काइज़ेन टीम ने राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

अश्वमेध क्युसी, अमोनिया-5 संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

फ्यूजन क्यूसी, अमोनिया-5 संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

स्वराज क्युसी, बैगिंग एण्ड मटेरिअल हॅण्डलिंग संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

त्रिशूल क्यूसी, सुफला संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

एकता क्यूसी, सुफला संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

समृद्धि क्यूसी, सुफला संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

सनग्रेस क्यूसी, ए.एन.पी. संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

व्हाइट हाउस पाँच-एस टीम, सुफला संयंत्र, उत्कृष्ट

स्पार्कल पाँच-एस टीम, सीसी लॅब, सर्वोत्कृष्ट

एलक्यूसी कृति, सीसी लॅब, उत्कृष्ट

एलक्यूसी एस.जी.पी., एस.जी.पी./ जी.टी.जी. संयंत्र, उत्कृष्ट

वर्सटाइल पाँच-एस टीम, क्रय विभाग, उत्कृष्ट

ए.एन.पी. संयंत्र से श्री. भूषण गाइचोर और श्री. आशुतोष सिंह का काइज़न, ए.एन.पी. संयंत्र, सर्वोत्कृष्ट

तिळगुळ समारंभ व हळदी कुंकू समारंभ

आर.सी.एफ स्थानीय लोकाधिकार समितीच्या महिला विभागातर्फे आस्थापनात काम करणाऱ्या कर्मचारी महिलांसाठी गुरवार दिनांक 06 फेब्रुवारी, 2025 रोजी सुरक्षा भवन येथे मकर संक्रांति निमित्त तिळगुळ समारंभ व हळदी कुंकू समारंभ आयोजन करण्यात आला.

या कार्यक्रमास आर. सी . एफ चे अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक मा. श्री एस. सी. मुडगेरीकर यांच्या सुविद्य पत्नी डॉ. सौ. स्मिता मुडगेरीकर या प्रमुख पाहुण्या म्हणून उपस्थित होत्या. त्याचप्रमाणे आर.सी.एफ च्या संचालिका (वित्त) सुश्री नजहत शेख, संचालिका (तांत्रिक) सौ. ऋतू गोस्वामी, कार्यकारी संचालक सौ. सुनेत्रा कांबळे, मुख्य महाव्यवस्थापिका सौ. नंदा कुलकर्णी तसेच संचालक (विपणन) यांच्या पत्नी सौ. सोनक, सर्व कार्यपालक निर्देशक यांच्या सुविद्य पत्नी तसेच उच्च व्यवस्थापनातील महिला अधिकारी वर्ग व आस्थापनेच्या विविध सयंत्रातील महिला वर्ग विशेष उपस्थित राहिल्या. या कार्यक्रमात महिलांना हळदीकुंकू, संक्रांतीचे वाण, तिळगुळ, पुष्प आणि अल्पोपहाराचे वाटप करण्यात आले.

सदर कार्यक्रमास आर.सी.एफ मधील महिला कामगार भगिनींनी बहुसंख्येने उपस्थित राहून कार्यक्रमाची शोभा वाढवली. यावेळी उपस्थित महिलांनी आपल्या कलागुणांचे सादरीकरण केले. तसेच प्रश्नमंजुषा खेळ सादर करण्यात आला, त्यात मान्यवरांनी देखील सहभाग घेतला.

सदर कार्यक्रमामध्ये डॉ. सौ. स्मिता मुडगेरीकर यांनी उपस्थितांना मार्गदर्शन केले. तसेच (वित्त) सुश्री नजहत शेख आणि संचालिका (तांत्रिक) सौ. ऋतू गोस्वामी, कार्यकारी संचालिका सुनेत्रा कांबळे, मुख्य महाव्यवस्थापिका सौ. नंदा कुलकर्णी यांनी आपले मौलिक विचार मांडले, त्यामुळे कार्यक्रमास रंगत आली. या कार्यक्रमाचे सूत्र संचालन सौ. धनश्री लेले यांनी केले. कार्यक्रमाचे आभार प्रदर्शन कु. अर्चना भुजंग यांनी पार पाडले.

मराठी भाषा गौरव दिवस

मराठी भाषेचा गौरव आणि तिच्या समृद्ध वारशाचा सन्मान करण्यासाठी दरवर्षीप्रमाणे यंदाही 27 फेब्रुवारी रोजी 'मराठी भाषा गौरव दिन' मोठ्या उत्साहात साजरा करण्यात आला. दिनांक 27 फेब्रुवारी रोजी प्रसिद्ध मराठी कवि, नाटककार, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेते, "ज्ञानपीठ साहित्य अकादमी आणि पद्मभूषण" पुरस्कार प्राप्त श्री विष्णु वामन शिरवाडकर (कुसुमाग्रज) यांच्या जन्मदिनीनिमित्त "मराठी भाषा गौरव दिवसाच्या" निमित्ताने गुरुवार, दिनांक 27 फेब्रुवारी, 2025 रोजी दुपारी 2.30 वाजता ट्रॉम्बे यूनिट, सुरक्षा भवनमध्ये मराठी भाषा दिनानिमित्त सुरेल मराठी गाण्यांच्या कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले. या कार्यक्रमात, आरसीएफमधील कर्मचारी कलामंचाच्या कलाकारांनी मराठी गाण्यांचा सुरेल कार्यक्रम "सप्तसूर आमुचे" द्वारा सादर करण्यात आले. तसेच मराठी भाषा पंधरवडयानिमित्त आयोजित करण्यात आलेल्या विविध मराठी स्पर्धांमधील विजेत्या कर्मचाऱ्यांचा पारितोषिक देऊन गौरव करण्यात आले. या कार्यक्रमासाठी कार्यकारी संचालक (मानव संपदा) हे प्रमुख पाहुणे म्हणून उपस्थित होते. त्या प्रसंगी उपस्थिताना मार्गदर्शन केले. या कार्यक्रमात कर्मचारी मोठया संख्येने व उत्साहाने उपस्थित होते.

क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले जयंती

क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले यांच्या 193 व्या जयंतीनिमित्त दिनांक 03.01.2025 रोजी आरसीएफ ओबीसी एम्प्लॉईज वेल्फेअर असोसिएशनने प्रशासकीय इमारत, ट्रॉम्बे, मुंबई येथे अभिवादन कार्यक्रम आयोजित केला. या प्रसंगी प्रमुख पाहुणे डॉ. राहुल जगताप, मुख्य सतर्कता अधिकारी यांनी प्रतिमेला पुष्पांजली वाहून अभिवादन केले व आपले मनोगत व्यक्त केले. याप्रसंगी श्री. विक्रम जावळे (कार्यपालक निदेशक -ट्रॉम्बे), श्री. निरंजन सोनक (डायरेक्टर मार्केटिंग), श्री. एम रमेश (कार्यपालक निदेशक- क्रय व कॉर्ट्रॅक्ट सेल), श्री.संजीव दोशी (सीजीएम एचआर कोर्पोरेट), सुश्री. नंदा कुलकर्णी (सीजीएम एचआरडी), श्री. संजय जैन (जीएम - एन व मेंटेनेंस - ट्रॉम्बे), श्री. प्रकाश महाजन (जीएम कॉम्प्लेक्स, आरअँडडी), श्री. योगेश गोखले (जीएम- कॉर्ट्रॅक्ट सेल), श्री. पराग दांडेकर (डीजीएम) तसेच विविध युनियन, असोसिएशन व संघटनांचे पदाधिकारी व मान्यवर उपस्थित होते. या कार्यक्रमाला आरसीएफ कर्मचारी बंधू व भगिनी मोठ्या संख्येने उपस्थित होत्या. सुश्री. भाग्यश्री कपुरे यांनी कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन केले व सुश्री. स्वाती नाईक यांनी आभार प्रदर्शन केले.

उपलब्धियाँ

कुमार आदित्य अरुण तुकान ने हाल ही में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) में वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्ति प्राप्त की है। एक साल प्रशिक्षण के बाद अब वे नूक्लीअर रिएक्टर समूह मुंबई में कार्यरत हैं और रिएक्टर संचालन का कार्यभार संभाल रहे हैं। आदित्य ने अपनी बी.टेक. की पढ़ाई के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग से यांत्रिक इंजीनियरिंग में पूरी की है। प्रशिक्षण के दौरान ही उसने होमी भाभा नेशनल यूनिवर्सिटी पुरस्कृत एम टेक डिग्री कोर्स के प्रथम वर्ष की पढ़ाई पूरी की है। उनके पिता श्री अरुण रघुनाथ तुकान आर सी एफ के आईपीडी विभाग में मुख्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं।

आर.सी.एफ. परिवार की ओर से आदित्य तुकान को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

पेज नं. 11 से आगे (श्री संजय पेटकर, महाप्रबंधक (आईटी)).....

सूचना सुरक्षा की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए, हमारे आईटी संचालन को आईएसओ/आईईसी 27001:2013 के तहत प्रमाणित किया गया, जिससे डेटा सुरक्षा और अनुपालन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

SAP S/4 HANA 1909 में माइग्रेशन 2020-2021 के दौरान किया गया एक महत्वपूर्ण परिवर्तन परियोजना थी। 26 जनवरी 2021 को लाइव होने के लिए इस परिवर्तनकाल को प्रबंधित किया, जिससे प्रचालन में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित हुआ।

आरसीएफ में हेल्थकेयर को "ई-चिकित्सा" अस्पताल प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के साथ डिजिटल बढ़ावा भी मिला। इस वेब-आधारित समाधान ने ट्रॉम्बे और थल हेल्थकेयर सिस्टम को एकीकृत किया और उन्हें निर्बाध चिकित्सा बिल प्रसंस्करण के लिए एसएपी के साथ एकीकृत किया। मोबाइल ऐप ने कर्मचारियों और लाभार्थियों के लिए पहुँच को बढ़ाया।

हाल ही में, स्मार्ट टाउनशिप पहल की अगुआई की, जो आरसीएफ ट्रॉम्बे टाउनशिप में सीसीटीवी निगरानी से जुड़ी एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसे एक केंद्रीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र द्वारा समर्थित किया गया है। इस पहल ने टाउनशिप की सुरक्षा और संरक्षा को काफी हद तक बढ़ाया है।

एंटरप्राइज़ सिस्टम और डिजिटल परिवर्तन, विशेष रूप से एसएपी ईआरपी और S/4 HANA कार्यान्वयन में पृष्ठभूमि के साथ, आपने अपने ज्ञान और अनुभवों को साथियों और उद्योग मंचों के साथ साझा करना जारी रखा है ।

एवरेस्ट बेस कैंप यात्रा : एक अद्भुत और अविस्मरणीय अनुभव

आरसीएफ ट्रॉम्बे यूनिट में जीटीजी-एचआरएसजी सयंत्र के श्री मंगेश पाटिल और श्री प्रीतम गजबिये ने हाल ही में एवरेस्ट बेस कैंप यात्रा पुरी की है। उन्होंने सह्याद्री पर्वत श्रंखला के सभी महत्वपूर्ण किलों पर कई ट्रेक एक साथ किए हैं। उन्होंने लेह-लद्दाख की सात दिन की एक शानदार बाइक यात्रा भी पूरी की है । उन्होंने एवरेस्ट बेस कैंप यात्रा का अविस्मरणीय अनुभव इस लेख में साझा किया है। यह उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि सम्पूर्ण आरसीएफ परिवार के लिए गौरव की बात है।

26 अप्रैल से 11 मई 2025 तक, हमने काठमांडू से काठमांडू तक की 15 दिनों की एक अद्वितीय और अविस्मरणीय यात्रा की। यह यात्रा एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुँचने की हमारी वर्षों पुरानी चाहत और सपने की पूर्ति थी। हमारी यात्रा की शुरुआत लुकला के टेन्जिंग-हिलरी हवाई अड्डे से हुई, जो विश्व का सबसे ऊँचा और सबसे खतरनाक हवाई अड्डा माना जाता है।

हमने दुर्गम पहाड़ी रास्तों, तेज़ ठंडी हवाओं और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों के बीच ट्रेक किया। इस दौरान एक स्थान पर केवल देखने भर को हिमस्खलन का दृश्य भी देखने को मिला। लुकला से नामचे बाज़ार, देबोचे, तेंगबोचे, लोबुचे और फिर गोरकशेप होते हुए हम एवरेस्ट के चरणों तक पाहुचे।

प्रत्येक दिन लगभग 15 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा, -15°C से -18°C तक की ठंड, बर्फबारी, तेज़ हवाएँ और शरीर में केवल 55% ऑक्सीजन लेवल जैसी विषम परिस्थितियों से जूझना पड़ा। 5364 मीटर की ऊँचाई तक पहुँचने के इस सफर में रास्ते के हर मोड़ पर पहाड़ों का सौंदर्य, कलकल बहती नदियाँ, ऊँचे पेड़, सूरज की पहली किरण और शाम की सुनहरी ढलान ने आत्मा को छू लिया।

इस यात्रा में रास्ते में मिले चायघरों, स्थानीय लोग, मासूम बच्चे, पहाड़ी जानवर, मेरे सहयात्री मित्र - सबने इस यात्रा को और भी खास बना दिया। हर दिन एक नई चुनौती, हर क्षण एक नई सीख।

4 मई, रविवार को दोपहर 2 बजे, जब मैं एवरेस्ट बेस कैंप पहुँचा, तो हमारे भीतर गर्व, संतोष और आभार की भावना थी। वहाँ से एवरेस्ट, ल्होत्से, नुप्त्से (विशेष रूप से सूर्यास्त के समय) और अमादब्लम के अद्भुत दृश्य देखने को मिले, जिन्होंने मन मोह लिया।

इस यात्रा ने हम हमारी सीमाओं को परखने, अनजान को अपनाने और हर संघर्ष में सुंदरता देखने का दृष्टिकोण दिया। यह केवल एक ट्रेक नहीं, बल्कि स्वयं को खोजने, आत्मिक शांति पाने और जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने का माध्यम बना।

मैं ईश्वर का हृदय से धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे यह साहस, शक्ति और धैर्य दिया कि मैं यह कठिन यात्रा पूरी कर सका। मैं स्वयं पर गर्व महसूस करता हूँ। यह उत्कृष्ट उपलब्धि एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि है तथा सम्पूर्ण आरसीएफ परिवार के लिए गौरव की बात है। हम आपकी दृढ़ता और जुनून को सलाम करते हैं, और भविष्य में ऐसी कई और उल्लेखनीय उपलब्धियां देखने की आशा करते हैं।

बधाई एवं शुभकामनाएं। जय हिंद जय आरसीएफ ।।

जीवन गौरव पुरस्कार

श्री भरत भोसले, टंकलेखक सहायक, वैद्यकीय विभाग यांना 'कला सामाजिक संस्था' नवी मुंबई तर्फे सामाजिक, साहित्य व कामगार क्षेत्रातील उल्लेखनीय कामांबद्दल 'जीवन गौरव पुरस्कार - 2024' प्रदान करण्यात आला. या शुभप्रसंगी हा राष्ट्रीय पुरस्कार सन्माननीय प्रमुख पाहुणे मा. रेहाना शेख (सहा. पोलीस आयुक्त पी अँड एस राजभवन सुरक्षा, मुंबई), कोकण विभागीय शिक्षक आमदार मा ज्ञानेश्वर म्हात्रे, प्रसिद्ध कवी, लेखक, वक्ते मा नितीन चंदनशिवय, मा. जयंत ओक, ह्यांच्या हस्ते स्मृतिचिन्ह, प्रमाणपत्र व मेडल देऊन सन्मानित करण्यात आले.

ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का आयोजन

"रासायनिक औद्योगिक आपदा" विषय पर स्तर-III / ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का आयोजन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट-II के क्लोरीनेशन सेक्शन में किया गया। यह मॉक ड्रिल एनडीआरएफ और आपदा प्रबंधन विभाग, एमसीजीएम के समन्वय से तथा डीआईएसएच के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

परिदृश्य: एक क्लोरीन टनर के बॉडी से क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ और दूसरे क्लोरीन टनर के वाल्व में भी रिसाव देखा गया। इस घटना के कारण तीन संविदा कर्मचारी क्लोरीन गैस के संपर्क में आ गए, जिन्हें चिकित्सा सहायता के लिए स्थानांतरित किया गया।

मॉक ड्रिल में भाग लेने वाली एजेंसियाँ:

1. आपदा प्रबंधन विभाग, एमसीजीएम, 2. डीआईएसएच,

3. एनडीआरएफ, 4. मुंबई फायर ब्रिगेड,

5. मुंबई पुलिस, 6. 108 एंबुलेंस,

7. एमएआरजी सदस्य (बीपीसीएल और एचपीसीएल फायर टीमें)

श्री कल्पेश कुलकर्णी, उप निदेशक (डीआईएसएच) और श्री राजेंद्र लोखंडे, सहायक मुख्य अधिकारी, आपदा प्रबंधन विभाग, एमसीजीएम ने मॉक ड्रिल का अवलोकन किया। एनडीआरएफ की टीम ने श्री सारंग कुरवे, सहायक कमांडेंट, एनडीआरएफ के नेतृत्व में प्रतिक्रिया दी।

श्री संजय जैन, महाप्रबंधक (एन एंड एम), श्री सारंग कुरवे, सहायक कमांडेंट (एनडीआरएफ), श्री कल्पेश कुलकर्णी, उप निदेशक (डीआईएसएच) और श्री राजेंद्र लोखंडे, सहायक मुख्य अधिकारी, आपदा प्रबंधन विभाग, एमसीजीएम ने मॉक ड्रिल के पूरा होने के बाद डीब्रीफिंग सत्र में महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी।

श्री कल्पेश कुलकर्णी (उप निदेशक, डीआईएसएच) ने संचार की प्रभावशीलता, प्रतिक्रिया समय, और प्रमुख सुधार क्षेत्रों पर विस्तृत सुझाव दिए, जिससे भविष्य में रासायनिक औद्योगिक आपदाओं के प्रबंधन के लिए तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

सभी प्रमुख एजेंसियों ने इस बात पर बल दिया कि इस मॉक ड्रिल की सफल क्रियान्वयन विभिन्न संगठनों के बीच प्रभावी समन्वय और सहयोग का परिचायक था। यह अभ्यास रासायनिक आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयारियों को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र साबित हुआ।

अभिनंदन

'महाराष्ट्र कामगार कल्याण मंडळ' (कामगार विभाग, महाराष्ट्र शासन) यांच्यावतीने जागतिक महिला दिनानिमित्त दि. 10 मार्च 2025 रोजी विविध क्षेत्रातील उल्लेखनीय कामगिरी करणाऱ्या कर्तृत्ववान महिलांचा सत्कार करण्यात आला.

याप्रसंगी आरसीएफ कर्मचारी व इंटक युनियनच्या प्रतिनिधी सौ. दर्शना वाढू यांना शाल, श्रीफळ व सन्मानचिन्ह देऊन गौरविण्यात आले. सौ. वाढू ट्रॉम्बे युनिट मध्ये 'केमिस्ट ग्रेड -1' पदी कार्यरत आहेत.

पेज नं. 12 से आगे (श्री प्रकाश एम. महाजन, महाप्रबंधक (कॉम्प्लेक्स/आर एंड डी).....

नियंत्रक का कार्यान्वयन। एएनपी योकोगावा डीसीएस (DCS) प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए, उन्होंने मई 2015 में नियंत्रण कक्ष लेआउट को संशोधित करके वर्कस्टेशनों को विंडोज 7 में अपग्रेड करने और महत्वपूर्ण डीसीएस नियंत्रक और आई/ओ (I/O) हार्डवेयर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई और सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया।

एएनपी ग्रैनुलेशन परियोजना के चालू होने के दौरान, उन्होंने ग्रैनुलेशन परियोजना की निरंतर उत्पादन क्षमता हासिल करने के लिए कई आंतरिक संशोधनों की शुरुआत की, जिनमें से उल्लेखनीय थे स्लरी स्प्रे फ्लो मीटर की स्थापना, स्लरी मास फ्लो मीटर की उचित स्थापना, निकास पंखों के लिए दोहरी ऑनलाइन कंपन निगरानी प्रणाली और नियंत्रण कक्ष के अंदर बेल्ट वेइयर के नियंत्रण पैनलों को स्थानांतरित करना।

इसके बाद फरवरी 2017 में उनका तबादला कर उन्हें अमोनिया और यूरिया/एबीसी समूह के संयंत्रों के लिए मुख्य प्रबंधक (Upkarn) बनाया गया और उसके बाद नवंबर 2017 में उन्होंने प्रचालन प्रबंधक (Upkarn कार्यशाला और आईईएस) का कार्यभार संभाला। मुख्य प्रबंधक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अमोनिया भंडारण अनुभाग के अप्रचलित नियंत्रण प्रणाली को मिथाइल एमाइन संयंत्र ka डीसीएस (Emerson Delta V DCS) प्रणाली से बदलने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया, जो संयंत्र के स्थायी रूप से बंद होने के बाद से अप्रयुक्त पड़ा था और प्रबंधन से प्रस्ताव को मंजूरी दिलाई। इससे लगभग 30-35 लाख रुपये की बचत हुई। इंस्ट्रूमेंट कार्यशाला और आईईएस के प्रभारी के रूप में उन्होंने आईटी विभाग के अनुबंधों सहित इंडेंट और अनुबंधों की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया। उन्होंने अमोनिया भंडारण टैंकों के लिए वैक्यूम रिलीफ वाल्वों की परीक्षण प्रक्रिया और जल भंडार के में डीजल पंपों के लिए स्टार्ट-अप/सुरक्षा इंटरलॉक के लिए अभिनव समाधान प्रदान किए। उन्होंने संपूर्ण ट्रॉम्बे इकाई को कवर करने के लिए छह स्थानों पर LAN आधारित PLC नियंत्रित वितरित सायरन प्रणाली ke तकनीकी विनिर्देशों को अंतिम रूप दिया और खरीदी kar स्थापित kiya।

इस कार्यकाल के दौरान, उन्होंने सभी संयंत्रों के साथ समन्वय किया और उनके पी एंड आई डी (P&ID) ड्रॉइंग की समीक्षा की और उन्हें अपडेट किया। इसके अलावा, दूरस्थ परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (AAQMS) से केंद्रीय सर्वर तक डेटा के संचार की विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए, उन्होंने सभी दूरस्थ स्टेशनों को आरसीएफ LAN कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए IT विभाग के साथ मिलकर काम किया। इसके अलावा, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण निर्देशों के अनुपालन में, आरसीएफ आइटी और एनालाइज़र ओइएम टीम के साथ समन्वय करके SO2 स्टैक के लिए दूरस्थ अंशांकन सुविधा (Remote Calibration facility) स्थापित की गई।

दो साल के कार्यकाल के बाद, उन्होंने नवंबर 2019 में प्रचालन प्रबंधक (नाइट्रिक एसिड समूह/सुजला) का कार्यभार संभाला, जहाँ उन्हें मई 2020 में AGM और मई 2021 में उप महा प्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया। उनके नेतृत्व में, नाइट्रिक एसिड और सुजला संयंत्रों ने मार्च 2023 में अब तक का सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन रिकॉर्ड हासिल किया (MPNA: 2, 71,317 मे.टन, HPNA: 1, 29,172 मे.टन और सुजला: 6350 मे.टन)। इसके अलावा 31.1.2020 को एचपीएनए संयंत्र के लिए 435 मे.टन/दिन उत्पादन रिकॉर्ड और 29.9.2000 को 418.76 मे.टन की दैनिक डीएनए बिक्री का रिकॉर्ड भी उनके कार्यकाल के दौरान banaya गया। यह सब विश्वसनीयता में सुधार, अधिक स्ट्रीम दिनों और अभियान बंद करने के समय (Catalyst campaign shutdown) को कम करने हासिल किया जा सका। ऑन-स्ट्रीम दिनों को और बेहतर बनाने और डाउनटाइम को कम करने के लिए उन्होंने उत्प्रेरक अभियान अवधि (MPNA Campaign perio) को 83 दिनों से बढ़ाकर 180 दिन करने, नए 1000 मे.टन डीएनए स्टोरेज टैंक जैसी प्रमुख सुधार योजनाओं की योजना बनाई, उनका अनुसरण किया और उन्हें मंजूरी दिलाई। उन्होंने एमपीएनए प्लांट (MPNA) में आईआर2 (IR2) कंप्रेसर से बाहरी इंस्ट्रूमेंट एयर का उपयोग करने का सुझाव दिया और Is योजना ko तैयार किया, ताकि उत्पादन में 30-35 मे.टन/दिन की वृद्धि हो सके। डीएनए टैंकर की आवाजाही और लोडिंग के दौरान सुरक्षा में सुधार करने के लिए, उन्होंने पुराने मिथाइल एमाइन प्लांट साइट पर नए टैंकर लोडिंग स्टेशन के निर्माण की योजना बनाई, उसका अनुसरण किया और उसे मंजूरी दिलाई।

इसके बाद उन्होंने जून 2023 से डीजीएम (सुफला/एएनपी) का कार्यभार संभाला। यह वह समय था जब एएनपी ग्रैनुलेशन सेक्शन में नए उत्पाद - यूरिया गोल्ड का उत्पादन किया जाना था जो कि सल्फर कोटेड यूरिया है और एक धीमी गति से निकलने वाला (Slow release) उर्वरक है। बिना किसी उपलब्ध तकनीक और परामर्श (consultancy) के, उन्होंने एएनपी प्लांट की टीम का नेतृत्व करते हुए सल्फर अनलोडिंग, मेल्टिंग, पंपिंग और मौजूदा ग्रैनुलेटर ड्रम में स्प्रे सिस्टम को स्थापित किया और छोटे बैचों में परीक्षण उत्पादन शुरू किया। अथक प्रयासों के बाद कई परीक्षणों और रोटरी ड्रम के लिए वीएफडी, यूरिया प्रिल्स की ड्रम हीटिंग, स्प्रे नोजल डिजाइन में संशोधन आदि सहित कई अन्य संशोधनों के बाद उन्होंने अपनी प्रतिभाशाली टीम के साथ 17.10.2023 से एएनपी ग्रैनुलेशन में यूरिया गोल्ड ि के अवधारणा से लेकर सफल निरंतर उत्पादन प्रणाली (from concept to completion) की स्थापना की।

गणतंत्र दिवस

थल इकाई में 76 वां गणतंत्र दिवस रविवार, 26 जनवरी, 2025 को श्री नितिन हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल) के करकमलों से तिरंगा फहराकर, व्यक्तिगत पुरस्कारों का वितरण कर के सरखेल कान्होजी आंग्रेनगर (आरसीएफ कॉलोनी) के क्रीडा संकुल के प्रांगण में मनाया गया।

सुबह के प्रसन्न वातावरण में कुरुल क्रीडासंकुल परिसर की प्राकृतिक सुंदरता में राष्ट्रप्रेम का निखार था। जगह जगह पर देशभक्ती के परिपोष करने वाले वचनों के बैनर्स, समारोह के लिए आमंत्रितों की शामियाना में उपस्थिति में समारोह के मुख्य अतिथि श्री. नितिन हिरडे जी का आगमन हुआ। कार्यक्रम स्थल पर मानव संसाधन एवं प्रशासन महाप्रबंधक श्री संजीव हरलीकर तथा सीआयएसएफ उप समादेशक श्री चक्रबोर्ती ने उनका स्वागत किया और पुरे सम्मान के साथ मुख्य अतिथि ने ध्वजस्तंभ की ओर प्रस्थान किया। उन्होंने अपने करकमलों से तिरंगा फहराया, राष्ट्रगीत गायन संपन्न हुआ, सलामी दी गयी और परेड का निरीक्षण किया गया। सीआईएसएफ को दो प्लॅटून, फायर अँड सेफ्टी और शुभम सिकयूरिटी का एक ऐसे चार प्लॅटून ने पुरे अनुशासन का परिचय देते हुये ध्वजस्तंभ के सामने से संचलन किया और राष्ट्रध्वज को सलामी दी। तत्पश्चात प्रस्तुत किये गये देशभक्ति के गीतों से सारा माहौल भारतमय हो गया।

श्री नितिन हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल) ने गणतंत्र दिवस पर उपस्थितितों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत वर्ष के स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया, उनके प्रति अभिवादन व्यक्त किया। स्वतंत्रता सेनानियों के कार्य से प्रेरित हो कर कंपनी, राज्य

और राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने के आत्मनिर्भर बनाने के हर एक कार्य में सर्वोतम योगदान देने का आवाहन किया। थल इकाई का सकल प्रचालन निरंतर रखने के महान राष्ट्रीय कार्य के लिए थळ के सभी कर्मचारी, ठेकेदार कर्मचारी, माथाडी बंधू, रेल,गेल, एमआयडीसी आदि को हृदय से बधाई दी। प्राप्त पुरस्कारों की जानकरी से विदित करते हुए संयंत्रो के कार्यनिष्पादन की सरहानीय उपलब्धियाँ बताई। ऊर्जा खपत कम करने हेतु जारी उपायों की प्रगति स्पष्ट करते हुए भविष्यकालिन विचाराधीन संकल्पों की जानकारी दी। प्रशासन, मानव संसाधन, मानव संसाधन विकास, क्रय, वित्त, सभी कार्यशालाएं सुरक्षा एवं अग्निशमन, यातायात, विपणन, सिविल, क्वालिटी कंट्रोल, तकनीकी सेवाएं, सीआईएसएफ, मटेरियल हॅंडलिंग, टी अँड सी,

भंडार आदि का संयंत्रो के प्रचालन में महत्व स्पष्ट करते हुए इनके योगदान की सराहना की। निगमित सामाजिक दायित्व के तत्वाधान में किये कार्यों की सूची बताकर सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाहन प्रणाली स्पष्ट करके भविष्य में इसी परंपरा को निरंतर रखने का इरादा व्यक्त किया। सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद देकर इसी शृंखला को और मजबूत करने का विश्वास व्यक्त किया। संबोधन के अंतिम चरण में पुन: एकबार गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देकर, कंपनी तथा देश के प्रति अपना कर्तव्य निष्ठा तथा ज़िम्मेदारी से निभाने का आवाहन किया और संबोधन को समाप्त किया। बाद में उन्होंनें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री. श्रीनिवास मुडगेरीकर के संदेश का पठण किया। इस संदेश में ट्राम्बे इकाई का कार्य निष्पादन, संयंत्रों की प्रचालन-विशेष उपलब्धियाँ, औद्योगिक प्रभाग का कार्य, विपणन एवं विपणन की गतिविधियाँ आदि विचाराधिन परियोजनाएं, भविष्यकालिन संकल्प। बातों को जिक्र किया था विभिन्न पुरस्कार करने वाले कर्मचारियों का विशेष अभिनंदन किया। अपने संदेश में आने वाले भविष्य में कार्यकलायों की-जानकारी स्पष्ट करके सभी चुनौतियों को, आव्हानों को, मर्यादाओं को परस्त करने के लिए कारगर प्रयासों की अपेक्षा भी व्यक्त की गयी। संबोधन एवं संदेश पठन सत्र के पश्चात पुरस्कार प्रदान सत्र प्रारंभ हो गया।

सी आय एस एफ, अग्निशमन एवं सुरक्षा विभाग तथा आर इन शील्ड प्रयव्हेट लिमिटेड (कॉलोनी रक्षक) को बेस्ट टर्न आऊट पुरस्कार वितरित किए गए । श्री नितिन हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल), सुश्री ज्योति पाटील, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट), श्री संजीव हरलीकर, महाप्रबंधक (मा.सं. - प्र.-ई), श्री सुधीर कोली, महाप्रबंधक (वाणिज्य), श्री व्ही मगेश, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) के शुभ हाथों से कर्मचारियों के लिए पुरस्कार और मान्यता योजनाओं के अधीन बिहाइंड द सीन पुरस्कार, सुस्वास्थ्य पुरस्कार, मानवीयता पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (अधिकारी, कामगार) पुरस्कार, हर साल गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर दिए जाते है । इस वर्ष भी बिहाइंड द सीन पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (अधिकारी, कामगार) पुरस्कार प्रदान किए गए ।

इस आयोजन में प्रशासन, मानव संसाधन, सिविल, जनसंपर्क, विद्युत विभाग, सी आय एस एफ आदि विभागों ने विशेष योगदान दिया । समारोह का सूत्र संचालन सुश्री स्मिता अधिकारी, श्री सौरभ चौधरी, सुश्री श्वेता काठे, श्री सतीश सवाखंडे और सुश्री ओमना प्रिया ने बखूबी से किया। श्री महेश पाटील, मुख्य प्रबंधक (प्रशासन) ने ऋणनिर्देश की ज़िम्मेदारी निभाई ।

अ.क्र.	प्रदान किए गए पुरस्कार के नाम
1	सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार -(अधिकारी स्तर) - श्री हरिदास लखमा झडे
2	सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार (कामगार स्तर) - श्री संजय शंकर म्हात्रे
3	बिहाइंड द सीन अवार्ड - श्री किरण पुरुषोत्तम पोतदार
4	मानवीयता पुरस्कार - श्री गणेश पद्माकर वाघे
5	संयंत्र प्रबंधक पुरस्कार - 2024– श्री सागर सामंत
6	संयंत्र समन्वयक पुरस्कार 2024 - श्री सूर्यकांत सोनार
7	सुझाव सर्वोतम पुरस्कार 2024 - श्री विकाश बौंठियाल
8	रोटेटिंग ट्रॉफी "विचार शक्ती" - रसायन संयत्र
9	NCQC 2024 - par Excellence award - 1.रसायन गुणवत्ता मंडल, 2. प्रयास गुणवत्ता मंडल, 3. आविष्कार गुणवत्ता मंडल, 4. प्रेरणा गुणवत्ता मंडल, 5. चैतन्य गुणवत्ता मंडल 6. टारगेट गुणवत्ता मंडल, 7. LQC1 / Sprint लिन गुणवत्ता मंडल, 8. LQC8 / क्रिएटिव्ह लिन गुणवत्ता मंडल
10	Gold in ICQCC 2024 (Sri Lanka) - 1. ध्रुव लिन, 2. फीनिक्स लिन
11	Appreciation Letter - विभिन बी, गणेश येवले, आकाश हंकारे, मिलन म्हात्रे, शुभम माने, नीलेश पाजगडे, शैलेन्द्र चौधरी, राजेंद्र म्हात्रे, नीलेश जोशी, सागर नखात, वैभव भेलोंडे, प्रफुल्ल मढवी, अंकित खंबे, अनिरुद्ध काटले, ओंकार वार्डे

ओपन जिम का उद्घाटन

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड ने थल फैक्ट्री परिसर में कई ओपन जिम सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिससे कर्मचारियों के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को बल मिला। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आधुनिक कसरत उपकरणों से सुसज्जित, ये ओपन जिम शारीरिक गतिविधि के लिए एक ताज़ा वातावरण प्रदान करते हैं। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया, जिन्होंने कार्यस्थल पर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में आर.सी.एफ के प्रयासों की सराहना की। यह पहल एक स्वस्थ और अधिक ऊर्जावान कार्यबल को बढ़ावा देने, उत्पादकता और समग्र कर्मचारी संतुष्टि को बढ़ाने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाती है।

शिवजयंती उत्सव

छत्रपती शिवाजी महाराज हे भारतीय इतिहासातील एक अद्वितीय व्यक्तिमत्त्व होते. त्यांची पराक्रमी नेतृत्वशैली, स्वराज्य स्थापनेसाठी घेतलेला प्रचंड संघर्ष, आणि लोककल्याणकारी धोरणे आजही आपल्याला प्रेरणा देतात. त्यांच्या शिकवणींमधून जीवनाच्या विविध पैलूंचा अभ्यास करता येतो आणि त्यांचे आचरण हे प्रत्येक भारतीयासाठी अनुकरणीय आहे. मानवजातीच्या इतिहासात त्यांनी असामान्य कामगिरी करून आपले नाव अजरामर करून ठेवले आहे जगावर राज्य करण्याच्या महत्त्वकांक्षेने कित्येक राजे होऊन गेले, पण त्यात सर्वात श्रेष्ट राजा म्हणजे छत्रपती शिवाजी महाराज. आरसीएफ कर्मचारी शिवजयंती उत्सव मंडळातर्फे दरवर्षीप्रमाणे या वर्षी दिनांक 17 मार्च 2025 रोजी शिवजयंती मोठ्या उत्साहात साजरी करण्यात आली.

यावर्षी शिवज्योत रॅलीचे मंडळातर्फे आयोजन करण्यात आले. त्यानुसार सकाळी 07.00 वा. आरसीएफ कुरुळ कॉलनीच्या प्रवेशद्वारा जवळील, दर्यासारंग सारखेल कान्होजी आंग्रे याच्या पुतळ्याला अभिवादन करून शिवज्योत रॅलीला सुरुवात केली. यावेळी महाव्यवस्थापक मा.सं/ प्रशासन श्री. सांजेव हरळीकर उपस्थित होते. कारखानाच्या मुख्य प्रवेश द्वाराजवळ मा. कार्यकारी संचालक श्री नितिन हिरडे यांच्या हस्ते शिवज्योत रॅलीतील सर्व कर्मचार्यांचे पुष्पवर्षाव करून स्वागत करण्यात आले. मिरवणुकीमध्ये सर्व अधिकारी, कर्मचारी, विविध संघटनाचे पदाधिकारी सामील झाले होते.

कार्यक्रमाच्या सुरूवातीला सुवासिनींनी शिवप्रतिमेला ओवाळ्ल्यानंतर आरसीएफ थळ चे कार्यकारी संचालक श्री. नितिन हिरडे यांच्या हस्ते शिवप्रतिमेचे पूजन करण्यात आले त्यानंतर विविध मान्य वरांच्या हस्ते शिवप्रतिमेला पुष्प अर्पण करण्यात आले. नंतर शिवस्फुर्तीची दोन गीते प्रणीत दबके, सुबोध पाटील यांनी सादर केली.

सकाळी 10.00 वा. समृद्धि सभागृहामध्ये शिवचरित्रकार गौरीताई सांगले यांच्या ज्वलंत आणि प्रेरणादायी पोवाडा गायनाचा कार्यक्रम झाला. यामध्ये त्यांना साथ संगत दत्त कृपा प्रासादिक मंडळ, वायशेत यांनी केली. तसेच शिवजयंती निमित्त आयोजित निबंध स्पर्धांचे बक्षीस वितरण करण्यात आले. उत्सव साजरा करण्याकरीता मंडळाचे सर्व पदाधिकारी, विविध कर्मचारी व अधिकारी संघटना, स्थानीय लोकाधिकार समिति, एससी/एसटी असोसीएशन संघटना, ओबीसी संघटना यांनी विशेष योगदान दिले.

मराठी भाषा दिवस

व्यवस्थापनाच्या संपूर्ण सहकार्यातून आणि स्थानिय लोकाधिकार समिती, थळ च्या माध्यमातून दरवर्षी 27 फेब्रुवारीला थोर साहित्यकार, ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कवी कुसुमाग्रज अर्थात वि. वा. शिरवाडकर यांच्या जन्मदिनाचे औचित्य साधून जागतिक मराठी भाषा गौरव दिन मोठ्या उत्साहात साजरा करण्यात आला.

यावेळी स्वरचित कविता वाचन, निबंध स्पर्धा, मराठी गीत गायन (कराओके) स्पर्धा, प्रश्नमंजुषा, भाग्यवान विजेता सोडत अशा विविध कल्पक व रंजक अशा स्पर्धा घेण्यात आल्या. स्पर्धेच्या परीक्षणासाठी आरसीएफ मधील त्या त्या क्षेत्रातील जाणकार अशा निवृत्त कर्मचाऱ्यांना परीक्षक म्हणून सहभागी करून घेण्यात आले.

मंगळवार दिनांक 25 फेब्रुवारी 2025 रोजी मराठी गीत गायन (कराओके) स्पर्धा घेण्यात आली. या स्पर्धेत 17 कर्मचाऱ्यांनी सहभाग घेतला. गुरुवार दिनांक 27 फेब्रुवारी 2025 रोजी जागतिक मराठी भाषा गौरव दिनाच्या निमित्ताने युरिया संयंत्रामध्ये कार्यरत असलेले श्री किशोर म्हात्रे यांनी लेखन व दिग्दर्शन केलेले मराठी भाषा व महाराष्ट्राची विविधता, संस्कृती आणि परंपरेवर आधारित पथनाट्य सादर करण्यात आले. यात एकूण नऊ कर्मचाऱ्यांनी सहभाग घेतला.

दुपारी दोन ते पाच या वेळेत समृद्धी सभागृहात विविध कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले. या कार्यक्रमाचा शुभारंभ महा प्रबंधक मानव संसाधन श्री संजीव हरळिकर साहेब यांनी स्वरचित कविता वाचन विविध स्पर्धेतील विजेत्यांना कार्यपालक निर्देशक, थळ श्री हिरडे साहेब तसेच अन्य मान्यवरांच्या हस्ते पारितोषिक देऊन सम्मानित करण्यात आले. भाग्यवान विजेत्यांना प्रत्येकी एक मराठी पुस्तक भेट देण्यात आले. या कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन श्री रुपेश पाटील यांनी केले.

मंगळवार दिनांक 4 मार्च 2025 मंगळवार या दिवशी गर्भ श्रीमंत मराठी हा कथा, पटकथा, संवाद लेखक, रेडिओ जॉकी, दिग्दर्शक असा गाढा अनुभव असलेले श्री प्रसाद ठोसर यांचा कार्यक्रम आयोजित करण्यात आला होता. श्री किशोर म्हात्रे हे देखील या कार्यक्रमांमध्ये सहभागी झाले होते. या कार्यक्रमाचा शुभारंभ कार्यपालक निदेशक श्री नितीन हिरडे यांच्या मार्गदर्शनाने करण्यात आला. भीत्तिचित्र स्पर्धेतील विजेत्यांना या कार्यक्रमांमध्ये पारितोषिक देऊन सन्मानित करण्यात आले. या कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन श्री वैभव राऊत यांनी केले.

कार्यक्रम आयोजित करण्यासाठी स्थानिय लोकाधिकार समितीचे पदाधिकारी श्री नीकांत घरत, श्री राजेंद्र गुंजाळ, श्री रमेश मोरे, श्री आनंद सुरेकर, श्री उमेश कांबळे तसेच श्री अशोक आसबे, पुजा म्हात्रे,श्री पवन पाटील, श्री गणेश जामकर, श्री सुबोध पाटील, श्री अमित जगे, सौ. भारती पोटे, तसेच सचिव श्री. अभय घरत व खजिनदार श्री. अजित कामतेकर यांनी मेहनत घेतली. उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन श्री विनायक पाटील तसेच श्री प्रशांत म्हात्रे यांचे मोलाचे मार्गदर्शन लाभले. मानव संसाधन विकास विभागाचे व जनसंपर्क विभागाचे देखील मोलाचे सहकार्य लाभले. विविध कामगार संघटना, असोसिएशन यांच्या पदाधिकाऱ्यांचे देखील मोलाचे सहकार्य लाभल्यामुळे जागतिक मराठी भाषा गौरव दिनाचा हा सोहळा अतिशय नीटनेटकेपणाने व उत्साहात साजरा करण्यात आला.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च 2025 को आर.सी.एफ, थल यूनिट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। यह दिन हमारे संगठन में महिलाओं के योगदान को पहचानने और उनकी सराहना करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर, सुश्री ज्योति पाटिल, कार्यकारी निदेशक (प्रोजेक्ट्स) और श्री नितिन हिरडे, कार्यकारी निदेशक (थल) - प्रभारी ने महिला कर्मचारियों को संबोधित किया।

सुश्री आभा चौबल - फोटोग्राफर, जर्मन शिक्षिका और सोलो ट्रैवलर को इस कार्यक्रम के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। सत्र एक इंटरव्यू के रूप में आयोजित किया गया। इंटरव्यू सुश्री कौमुदी काशीकर द्वारा लिया गया था, जो एक अनुभवी पत्रकार हैं, जिन्हें सकाळ, मिड-डे और पुणे मिरर जैसे प्रमुख समाचार प्रकाशनों में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। सुश्री आभा चौबल ने वर्क अवे/वर्क एक्सचेंज की अवधारणा के माध्यम से एक एकल यात्री के रूप में अपने अनुभव और एक वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में अपने अनुभव साझा किए।

आरसीएफने साजरा केला हळदी-कुंकवाचा सोहळा

राष्ट्रिय केमिकल्स अँड फर्टिलायझर्स लि. (RCF) यांनी त्यांच्या संकुलात पारंपरिक हळदी-कुंकवाचा सोहळा मोठ्या उत्साहात साजरा केला. भारतीय संस्कृतीची जपणूक आणि एकात्मता वृद्धिंगत करण्याच्या उद्देशाने आयोजित या कार्यक्रमात महिलांनी हळद आणि कुंकू यांची देवाणघेवाण करून सौहार्द व समृद्धीचा संदेश दिला. या उत्सवात पारंपरिक गीतं, प्रार्थना आणि रंगीबेरंगी आनंदी वातावरण अनुभवायला मिळाले. कर्मचाऱ्यांनी एकत्र येऊन सहकार्याची भावना वाढवली आणि सामाजिक बंध अधिक दृढ केले. या सणाच्या माध्यमातून आरसीएफने सांस्कृतिक एकात्मता आणि कर्मचारी सहभागाच्या आपल्या बांधिलकीची पुन्हा एकदा प्रचिती दिली.

सतर्कता विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरसीएफएल सतर्कता विभाग ने 25 फरवरी, 2025 को ट्रॉम्बे और थल इकाइयों के क्रय विभाग, अनुबंध सेल और वित्त विभाग के अधिकारियों के लिए 'आरसीएफएल की खरीद प्रक्रिया और सतर्कता अवलोकन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

आरसीएफ सतर्कता विभाग ने थल इकाई के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए 'आरसीएफएल की खरीद प्रक्रिया और सतर्कता अवलोकन' पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

आरसीएफ सतर्कता विभाग ने 21 जनवरी, 2025 को विपणन विभाग के अधिकारियों के लिए 'निवारक सतर्कता' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

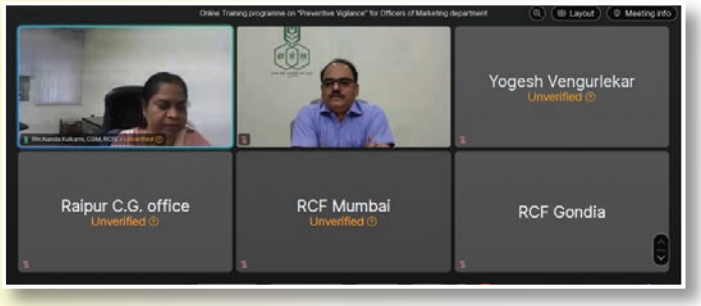

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (RCF) की थल इकाई ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) पहल के तहत अलीबाग में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य वंचित निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना और उन्हें आवश्यक चिकित्सा देखभाल तक पहुँच सुनिश्चित करना था।

इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया, जहाँ उन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श और दवाइयाँ प्रदान की गईं। योग्य डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक टीम ने आम बीमारियों, जीवनशैली संबंधी रोगों की जाँच की और निवारक स्वास्थ्य देखभाल संबंधी मार्गदर्शन दिया। बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की विशेष चिकित्सा आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

चिकित्सा शिविर आरसीएफ द्वारा संचालित कई CSR पहलों में से एक है। स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता को प्राथमिकता देकर, आरसीएफ उन क्षेत्रों में स्वस्थ समुदायों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, जहाँ वह अपनी सेवाएँ प्रदान करता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2024 को CVC के निर्देशों के अनुसार 28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक आरसीएफ में मनाया गया। आरसीएफ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 की शुरुआत 28 अक्टूबर को 11.00 बजे माननीय सीएमडी श्री एस.सी. मुदगेरिकर द्वारा सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ हुई। उद्घाटन समारोह का आयोजन ट्रॉम्बे यूनिट के सुरक्षा भवन में हाइब्रिड मोड में आरसीएफ के भारत भर के सभी कार्यालयों से जुड़कर किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के अवसर पर भारत गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिया गया संदेश भी सीएमडी महोदय द्वारा पढ़ा गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्लू), 2024 के अंतर्गत निवारक सतर्कता पर अभियान की शुरूआत 16 अगस्त, 2024 को आरसीएफ के सीएमडी श्री एस. सी. मुदगेरिकर द्वारा आरसीएफ में की गई। आरसीएफ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित अनेक सतर्कता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं तथा प्रणालीगत सुधार उपायों को लागू किया गया।

वार्षिक दिवस

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड का "वार्षिक महोत्सव-2025" बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । दिनांक 27 जनवरी 2025 व दिनांक 28 जनवरी 2025 को आर.सी.एफ थल इकाई द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत दिनांक 27 जनवरी 2025 को आर.सी.एफ, क्रीड़ा संकुल, कुरुल वसाहत में आर.सी.एफ परिवार के लिए "रंग महोत्सव" कार्यक्रम, खाद्य मेला एवं रात्रिभोज का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत श्री नितिन ब हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल) द्वारा गणेश वंदन व दीप प्रज्वलन के साथ हुई । इस अवसर पर सुश्री ज्योति पाटील,कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स), श्री संजीव हरलीकर, महाप्रबंधक (मा.सं/प्रशा व ई.टी.पी), श्री अभय कालबांडे, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) श्री सुधीर कोली, महाप्रबंधक (वाणिज्यिक), श्री वी मगेश, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स), श्री अनुपम सोनावणे, महाप्रबंधक(खरीद व स्टोर्स) एवं श्री विनायक पाटील, उप महाप्रबंधक(मा.सं व प्रशा) उपस्थित थे । इस आयोजन में वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने के लिए "वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा 2025- पुरस्कार वितरण समारोह" का आयोजन भी किया गया जिसमें गणमान्यों के द्वारा विजेताओं को सम्मानित किया गया । "रंग महोत्सव" में बहुमुखी प्रतिभासंपन्न आर.सी.एफ कर्मचारियों ने कई उत्कृष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें गीत गायन, नाटक, वाद्य यंत्र प्रस्तुतीकरण व अन्य कार्यक्रम थे । इसमें पूरे आर.सी.एफ परिवार ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

दिनांक 28 जनवरी 2025 को आर.सी.एफ, क्रीड़ा संकुल, कुरुल वसाहत में महाराष्ट्र का प्रसिद्ध हास्य नाटक "थेट तुमच्या घरातून" का आयोजन किया गया, जिसके निर्माता श्री प्रसाद खांडेकर व श्री सचिन कदम हैं । इस हास्य नाटक में आधुनिक जीवन को लेकर एक गंभीर संदेश भी था जिसको सभी दर्शकों ने बहुत पसंद किया । इसके साथ खाद्य मेला में कई फूड स्टॉल भी लगाए गए थे, जिसका दर्शकों ने आनंद उठाया ।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस/सप्ताह

आर.सी.एफ थल इकाई में 54वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह भव्य तरीके से मनाया गया। सप्ताह का उद्घाटन 04.03.2025 को समृद्धि हॉल में कार्यकारी निदेशक (थल)- प्र. द्वारा ध्वजारोहण करके किया गया। सुरक्षा दिवस और सुरक्षा सप्ताह समारोह की गतिविधियों का आयोजन सभी कर्मचारियों की पूर्ण और सक्रिय भागीदारी के साथ बड़े उत्साह के साथ किया गया।

दिनांक 04.03.2025 को समृद्धि हॉल में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सुरक्षा प्रतिबद्धता बोर्ड पर हस्ताक्षर किए गए। सभी कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। कार्यकारी निदेशक (थल) एवं कार्यकारी निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा वार्षिक सुरक्षा स्थिति रिपोर्ट का अनावरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री टी. चार्ल्स, उप महाप्रबंधक (एफ एंड एस) द्वारा वर्ष 2025 में सुरक्षा की मुख्य बातों पर प्रकाश डालने के साथ हुई।

सभी एसोसिएशन और यूनियनों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा के महत्व को समझाया और सभी कर्मचारियों से सुरक्षित संस्कृति विकसित करने का आग्रह किया। श्रीमती ज्योति पाटिल, कार्यकारी निदेशक (परियोजनाएं) ने थल इकाई द्वारा प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई दी और सभी से नौकरी के दौरान और बाहर सुरक्षा का पालन करने को कहा।

उन्होंने थल इकाई द्वारा शुरू की जा रही विभिन्न नई परियोजनाओं के मद्देनजर परियोजना सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। श्री नितिन हिरडे, कार्यकारी निदेशक (थल) - प्र. ने प्रत्येक कर्मचारी से नौकरी के दौरान सतर्क रहने को कहा और बताया कि सुरक्षा एक सामूहिक प्रयास है और सभी को सुरक्षा में योगदान देने की जरूरत है।

भाषणों के बाद, फरवरी 2025 में आयोजित विभिन्न सुरक्षा प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन श्री एस.आर. हिरगड़े, सीएम (एफ एंड एस) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

04.03.2025 को 15:00 बजे से, सभी ठेकेदारों के लिए सुरक्षा दिवस का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। अनुबंध कर्मचारियों को सुरक्षा प्रणालियों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें प्रेरित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत किया गया।

सेवानिवृत्ति योजना पर कार्यशाला

सेवानिवृत्ति योजना कार्यक्रम जनवरी 2025 में आरसीएफ थल के उन कर्मचारियों और उनके जीवनसाथियों के लिए आयोजित किया गया था, जो वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। यह चार दिवसीय कार्यक्रम विभिन्न उपयोगी सत्रों से भरपूर था।

श्री आनंद कुलकर्णी द्वारा वित्तीय योजना और निवेश के अवसरों पर सत्र आयोजित किया गया। इसके अलावा, साइबर क्राइम जागरूकता पर श्री निखिल महादेश्वर (साइबर सिक्योरिटी इंडिया) द्वारा जानकारी दी गई। नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) के बारे में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का समापन डॉ. कीर्ति सात्ये द्वारा स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने और MATR नीतियों की जानकारी के साथ हुआ। यह कार्यक्रम सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन में सहजता से परिवर्तन लाने हेतु आयोजित किया गया था।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आरसीएफ थल लिमिटेड के मानव संसाधन विकास (HRD) विभाग द्वारा नव नियुक्त इंजीनियरों, अधिकारियों और प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए 'परिवर्तन कार्यशाला एवं प्रबंधन विकास कार्यक्रम' का आयोजन 27 और 28 फरवरी 2025 को स्वागत गेस्ट हाउस में दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व कौशल को बढ़ाना, स्वप्रेरणा को प्रोत्साहित करना, नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा देना, संप्रेषण क्षमता में सुधार करना, सहयोग को बढ़ावा देना तथा क्रियान्वयन योग्य योजनाएँ तैयार करना था।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम SYHR कंसल्टिंग प्रा. लि. के विशेषज्ञ प्रशिक्षक श्री केविन डायस द्वारा संचालित किया गया। इस कार्यशाला में कुल 50 प्रबंधन प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

मॉड्यूलर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरसीएफ थल में 20 और 21 मार्च को नए कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय मॉड्यूलर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों को कवर किया गया, जिनमें इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (IMS), प्रोसेस सेफ्टी मैनेजमेंट (PSM), बिहेवियर-आधारित सुरक्षा (BBS), फायर ऑर्डर्स और डेमोंस्ट्रेशन, और प्राथमिक चिकित्सा एवं सीपीआर पर एक सत्र शामिल था।

HRD विभाग अब तक सात कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित कर चुका है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आरसीएफ थल के सभी कर्मचारियों ने यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया हो। इसे पूरा करने के लिए, यह कार्यक्रम अगले तीन वर्षों तक हर महीने आयोजित किया जाएगा।

आर.सी.एफ ने मछुआरा समुदाय की आजीविका में दिया योगदान

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (RCF) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) पहल के तहत थल और नवगाव के मछुआरा समुदाय को आइस बॉक्स प्रदान कर उनका सहयोग किया है। इस पहल का उद्देश्य मछलियों के संरक्षण को बेहतर बनाना है, जिससे मछुआरों को उच्च गुणवत्ता वाला उत्पादन सुनिश्चित हो और उनकी आय में वृद्धि हो।

अलीबाग का क्षेत्र एक तटीय क्षेत्र है, जहाँ मछली पकड़ना कई लोगों की आजीविका का मुख्य साधन है। मछलियों को ताज़ा बनाए रखने के लिए उचित भंडारण सुविधाएँ बेहद ज़रूरी होती हैं। उचित शीतलन

व्यवस्था के अभाव में मछलियाँ जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे मछुआरों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। आरसीएफ द्वारा आइस बॉक्स वितरित किए जाने से उन्हें इस नुकसान से बचने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित होगी।

मछुआरा समुदाय ने इस सहायता का स्वागत किया है और उनके कार्यशील परिस्थितियों में सुधार लाने के लिए आरसीएफ के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस प्रकार की प्रभावी CSR पहलें तटीय क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

32वाँ वार्षिक गुणवत्ता संकल्पना अधिवेशन

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड, थल इकाई ने सभी स्तरों पर कर्मचारियों के बीच क्यूसी एवं उत्पादक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 7 मार्च 2025 को 32 वें वार्षिक गुणवत्ता संकल्पना अधिवेशन - 2025 का आयोजन किया । इसका आयोजन आरसीएफ़ थल सभागृह, कुरुल कॉलोनी में किया गया था । इस वर्ष गुणवत्ता संकल्पना अधिवेशन का विषय था "लोगों में निवेश, बेहतर भविष्य का निर्माण" (Investing in People, Building a Better Future ।

आरसीएफ़ कुरुल क्रीडा संकुल के निकट क्यूसी ध्वज के समक्ष सभी क्यूसी / लीन क्यूसी समूहों का गठन किया गया । अधिवेशन का उदघाटन समारोह माननीय सीएमडी श्री. एस. सी. मुडगेरीकर साहब के कर कमलों द्वारा क्यूसी ध्वज फहराने के साथ किया गया । क्यूसी/लीन क्यूसी टीम के सदस्यों द्वारा शपथ ली गई । ध्वजारोहण एवं शपथ के तुरंत बाद माननीय सीएमडी श्री. एस. सी. मुडगेरीकर साहब ने क्यूसी / लीन क्यूसी टीम का परेड निरीक्षण किया ।

परेड निरीक्षण के पश्चात सभी अतिथिगणों ने अपना स्थान ग्रहण किया एवं उनका स्वागत सुश्री. अल्पना भिंवरे एवं सहयोगी द्वारा स्वरचित गीत द्वारा किया गया । स्वागत गीत के पश्चात गणेश वंदना नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत की गयी जिसका आनंद सभी अतिथियों एवं क्यूसी सदस्यों ने उठाया । ततपश्चयात माननीय सीएमडी श्री. एस. सी. मुडगेरीकर, सुश्री. ऋतु गोस्वामी (निदेशक - तकनीकी), श्री. एन. एस. सोनक (निदेशक - विपणन), डॉ. श्री. आर. एस. जगताप (मुख्य सतर्कता अधिकारी), श्री. नितीन बि. हिरड़े (कार्यपालक निदेशक - थल), एवं सुश्री. ज्योति पाटिल (कार्यपालक निदेशक - परियोजनाएं) के हाथों दीप प्रज्वलित किया गया । प्रबंधन सेवाएं विभाग से श्री. विनोद सी. काले ने वर्ष 2024-25 की क्यूसी उपलब्धियों को दर्शाया एवं क्यूसी अभियान का ब्योरा दिया।

श्री. नितीन बि. हिरड़े (कार्यपालक निदेशक - थल) ने पिछले 31 वर्षों में आरसीएफ़, थल में क्यूसी अभियान का पूर्ण विवरण दिया एवं इस वर्ष आरसीएफ़ थल की कुछ उपलब्धियों का भी विवरण दिया । माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कर कमलों द्वारा स्मरणिका का विमोचन किया गया जिसमे उच्च प्रबंधन के संदेश, एवं गुणवत्ता मंडलों की केस स्टडी शामिल है । आरसीएफ़ के सीएमडी श्री. एस. सी. मुडगेरीकर साहब ने श्रोताओं को संबोधित किया । इस अवसर पर आरसीएफ़ के सभी संगठन तथा असोशिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे ।

माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस. सी. मूडगेरीकर साहब के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण।

गुणवत्ता संकल्पना अधिवेशन में निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए

वर्ष 2024-25 में गुणवत्ता मंडलों को बढ़ावा देने हेतु "वर्ष 2024-25 का बेस्ट डेब्यूटेड QC" पुरस्कार "गुण प्रभात चषक" से Radiant QC (केन्द्रीय रसायन प्रयोगशाला) को सम्मानित किया गया।

Radiant QC मेम्बर: मयूरी गणेश कोली, प्रतिक्ष प्रकाश म्हात्रे, चैत्राली रणजीत जुईकर, सौरभ मंगेश नाईक, अंकित सुमन तिवारी, स्नेहा संदीप गायकवाड, गोविंद पोरवाल, सुरज नथूराम राऊत

वर्ष 2024-25 में क्यूसी को बढ़ावा देने के लिए, "वर्ष का मोस्ट इनोवेटिव सॉल्यूशन" पुरस्कार LQC 5 / कार्यशाला मिक्स को उनके नवाचार "Minimize the breakdown time of surface grinding machine – by in-house design of bridge rectifier from 04 no. of diodes" के लिए प्रदान किया गया।

LQC 5 / कार्यशाला मिक्स मेम्बर: सादिक सलीम मुजावर, काली प्रसाद, विजय मरुति पाबरेकर, सचिन सिंह

वर्ष 2024-25 मे क्यूसी को बढ़ावा देने के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ संचालक प्रबन्धक पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री. दत्तात्रय गायकवाड (भारीपानी संयंत्र) एवं श्री. बसंत कुमार बागे (केन्द्रीय कार्यशाला) को सम्मानित किया गया।

Best QC/LQC of the Year 2024-25 Award:

लीन गुणवत्ता मंडल : 1. सर्वोत्कृष्ट लीन गुणवत्ता मंडल प्रथम पुरस्कार - LQC 21 Fusion, 2. सर्वोत्कृष्ट लीन गुणवत्ता मंडल द्वितीय पुरस्कार (संयुक्त) - LQC 7 Star (यूरिया - उत्पादन) एवं LQC 1 Sprint (सेवाएं)

गुणवत्ता मंडल: 1. सर्वोत्कृष्ट गुणवत्ता मंडल प्रथम पुरस्कार (संयुक्त), गुण साधना चषक - रसायन गुणवत्ता मंडल (सी जी पी - उत्पादन) एवं प्रकाशज्योत गुणवत्ता मंडल (सी जी पी - विद्युत), 2. सर्वोत्कृष्ट गुणवत्ता मंडल द्वितीय पुरस्कार (संयुक्त), गुण प्रतीक चषक - आविष्कार गुणवत्ता मंडल (अमोनिया - उत्पादन) एवं चैतन्य गुणवत्ता मंडल (अमोनिया - उपकरण)

दशक पूर्ति चषक (दस वर्ष पूर्ण करने वाले लीन क्यूसी को प्रदान किया गया)

LQC 14 ऊर्जा - (भारीपानी संयंत्र, मिक्स)

LQC 13 Achiever - (भारीपानी संयंत्र, उत्पादन)

LQC 16 डॉ. कलाम
(अग्निशमन एवं सुरक्षा)

LQC 15 चिकित्सा
(अस्पताल)

LQC 12 Power Supreme
(बाष्पनिर्मिती संयंत्र, मिक्स)

उत्पादकता सप्ताह तकनीकी पेपर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार - रसायन समूह संयंत्र

द्वितीय पुरस्कार - बाष्पनिर्मिती संयंत्र

Kaizen Shree Awards

श्री. धिरेन्द्र एम. घासे
(बाष्पनिर्मिती संयंत्र - विद्युत)

श्री. महेंद्र पी. पाटील
(बाष्पनिर्मिती संयंत्र - विद्युत)

श्री. भारत एस. वैद्य
(बाष्पनिर्मिती संयंत्र - विद्युत)

श्री. वैभव आर. घागरे
(बाष्पनिर्मिती संयंत्र - विद्युत)

डॉ. शलाका के. पाटील (अस्पताल)

श्री. अवधूत ए. नाईक (अस्पताल)

श्री. गणेश डी. महाले (अस्पताल)

श्री. प्रशांत पी. पिंगले
(सी जी पी - यान्त्रिकी)

श्री. किरण एच. घासे
(सी जी पी - यान्त्रिकी)

Kaizen Supreme Award

क्र.	कर्मचारी का नाम	संयंत्र (विभाग)
1	श्री. सुबोध जोशी	अमोनिया - उत्पादन
2	श्री. प्रितेश म्हात्रे	अमोनिया - उत्पादन
3	श्री. आशीष दामले	अमोनिया - विद्युत
4	श्री. विनायक पाटील	अमोनिया - यान्त्रिकी

वर्ष 2024-25 सर्वोत्कृष्ट समन्वयक चषक: श्री. दत्तात्रय गायकवाड (भारीपानी संयंत्र) और श्री. बसंत कुमार बागे (केन्द्रीय कार्यशाला)

Gun Pravartan Chashak: LQC 5 / कार्यशाला मिक्स

सर्वोत्कृष्ट लीन गुणवत्ता मंडल प्रथम पुरस्कार – LQC 21 Fusion

सर्वोत्कृष्ट लीन गुणवत्ता मंडल द्वितीय पुरस्कार (संयुक्त) – LQC 7 Star (यूरिया - उत्पादन) एवं LQC 1 Sprint (सेवाएं)

गुण प्रतीक चषक - आविष्कार गुणवत्ता मंडल (अमोनिया - उत्पादन) एवं चैतन्य गुणवत्ता मंडल (अमोनिया - उपकरण)

गुण साधना चषक - रसायन गुणवत्ता मंडल (सी जी पी - उत्पादन) एवं प्रकाशज्योत गुणवत्ता मंडल (सी जी पी - विद्युत)

CCQC- 2024 (continued ….October 2024)

क्रमांक	गुणवत्ता मंडल का नाम	अधिवेशन का नाम	सम्मेलन की तिथि	पदक
1	प्रयास गुणवत्ता मंडल	हरिद्वार अधिवेशन	6 अक्टूबर 2024	स्वर्ण पदक
2	प्रकाशज्योत गुणवत्ता मंडल	हरिद्वार अधिवेशन	6 अक्टूबर 2024	स्वर्ण पदक
3	विश्वकर्मा गुणवत्ता मंडल	चंडीगढ़ अधिवेशन	4 अक्टूबर 2024	स्वर्ण पदक

प्रयास गुणवत्ता मंडल (रसायन समूह संयंत्र)

LQC1-Sprint (सेवा)

विश्वकर्मा गुणवत्ता मंडल (अमोनिया संयंत्र)

38वें राष्ट्रीय गुणवत्ता संकल्पना सम्मेलन

यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि आरसीएफ थल से 6 गुणवत्ता मण्डल और 3 LQC Teams ने क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (QCFI) द्वारा 26 से 30 दिसंबर 2024 के दौरान IIITM ग्वालियर में आयोजित 38वें राष्ट्रीय गुणवत्ता संकल्पना सम्मेलन (NCQC 2024) में सक्रिय भाग लिया।

इस सम्मेलन में 12,710 प्रतिभागियों की ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज की गई, जहाँ 700 प्रतिष्ठानों द्वारा 2,300 विषय अध्ययन प्रस्तुत किए गए, जो एक विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, QCFI के अध्यक्ष और कार्यपालक निदेशक को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि द्वारा विश्व रिकॉर्ड प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस भव्य मंच पर, आरसीएफ थल ने भी अपनी गुणवत्ता सुधार पहलों का शानदार प्रदर्शन किया और कई टीमों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार अर्जित किए।

यह राष्ट्रीय स्तर पर हमारी असाधारण उपलब्धि हमारे कर्मचारियों की लगन, नवाचार और टीम वर्क का प्रमाण है। हमारी सभी टीमों को इस शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई!

आइए, हम इसी तरह उत्कृष्टता की दिशा में अपने प्रयास जारी रखें और भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करें।

LQC 8 / क्रिएटिव पार एक्सलेंट
(यूरिया संयंत्र उत्पादन)

अविष्कार गुणवत्ता मंडल पार एक्सलेंट
(अमोनिया संयंत्र - यांत्रिकी)

चैतन्य गुणवत्ता मंडल पार एक्सलेंट
(अमोनिया संयंत्र - उपकरण)

प्रेरणा गुणवत्ता मंडल पार एक्सलेंट
(जडजल संयंत्र उत्पादन)

प्रयास गुणवत्ता मंडल पार एक्सलेंट
(रसायन समूह संयंत्र उत्पादन)

टारगेट गुणवत्ता मंडल पार एक्सलेंट
(कूरिकाा संकांत्र - कांत्रिवढी)

LQC1 / Sprint (अग्निशमन और सुरक्षा
विभाग/सेवाए)

रसायन गुणवत्ता मंडल
(रसायन समूह संयंत्र - उत्पादन)

LQC21/Fusion
(यूरिया संयंत्र उत्पादन) एक्सलेंट पुरस्कार

क्वालिटी सर्कल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

ICQCC (International Convention on QC Circles) एक वार्षिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य गुणवत्ता मंडल (QCC) गतिविधियों और टीम-आधारित सुधार कार्यक्रमों पर विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करना है।

इस वर्ष, ICQCC 2024 का आयोजन 11 से 14 नवंबर के बीच श्रीलंका, कोलंबो में हुआ, जिसमें दुनिया भर की विभिन्न औद्योगिक टीमों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में आरसीएफ थळ की दो गुणवत्ता मंडल टीमों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से संस्था का मान बढ़ाया और गोल्ड पुरस्कार प्राप्त किया।

सफलता का जश्न और नवाचार की दिशा में एक कदम आगे

यह उपलब्धि आरसीएफ थल के सतत सुधार, नवाचार और टीम वर्क की संस्कृति को दर्शाती है। दोनों टीमों ने उत्कृष्ट समस्या समाधान तकनीकों, नवाचार और गुणवत्ता सुधार में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ।

आरसीएफ थल इस सफलता पर गर्व महसूस करता है और सभी प्रतिभागियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देता है। यह उपलब्धि हम सभी को प्रेरित करती है कि हम नवाचार और गुणवत्ता सुधार की इस यात्रा को जारी रखें और आने वाले वर्षों में और भी ऊंचाइयों को छूएं। बधाई हो!

गुणवत्ता मंडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अमोनिया उत्पादन - 'फीनिक्स क्यूसी' - 'गोल्ड अवार्ड'

एसजीपी - 'ध्रुव एलक्यूसी' - 'गोल्ड अवार्ड'

उत्पादकता सप्ताह

उत्पादकता संयोग से नहीं होती, यह प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता और निरंतर सुधार का परिणाम होती है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, आरसीएफ थल में 12 से 18 फरवरी 2025 तक उत्पादकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें दक्षता, नवाचार और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा दिया गया। इस वर्ष की थीम, "विचारों से प्रभाव तक: प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक संपदा की सुरक्षा", नवाचार, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। 12 फरवरी को माननीय ईडी (थल), ईडी (प्रोजेक्ट्स) और सभी महाप्रबंधकों की उपस्थिति में तकनीकी सम्मेलन कक्ष में सप्ताह का भव्य उद्घाटन हुआ। अपने संबोधन में ईडी थल ने उत्पादकता के महत्व को रेखांकित किया और कर्मचारियों को नवाचार और दक्षता सुधार में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

सप्ताहभर चली विभिन्न गतिविधियों ने कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़ी सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को सीखने और अपनाने का अवसर दिया: 13 फरवरी: तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुति के दौरान अमोनिया, यूरिया, एसजीपी, एचडब्ल्यूपी, सीजीपी और बैगिंग प्लांट्स के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन और दक्षता बढ़ाने की नई रणनीतियों पर चर्चा की। 14 फरवरी: समृद्धि हॉल में उत्पादकता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों ने उत्पादकता सुधार से संबंधित अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। 15 और 17 फरवरी: क्यूसी ज्ञान परीक्षा (ऑनलाइन) और एलक्यूसी ज्ञान परीक्षा (ऑनलाइन) का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 409 कर्मचारियों ने भाग लिया, जो संगठन में सीखने और सतत सुधार की संस्कृति को दर्शाता है।

15 फरवरी को, "विचारों से प्रभाव तक: प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक संपदा की सुरक्षा" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान को श्री केशव कांबले, पूर्व संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, एमएसएमई मंत्रालय) ने संबोधित किया। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों, पेटेंट, ट्रेडमार्क और नवाचार की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उनका व्याख्यान कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए नवाचार को संरक्षित करने और प्रतिस्पर्धी लाभ बनाए रखने के लिए आवश्यक रणनीतियों को समझने का एक प्रेरणादायक अवसर बना।

विभिन्न संयंत्रों में एक विशेष सुझाव अभियान चलाया गया, जिसमें कर्मचारियों को प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने, अक्षमताओं को कम करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल ने न केवल कर्मचारी जुड़ाव को बढ़ाया, बल्कि आरसीएफ थल की परिचालन उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।

उत्पादकता सप्ताह का यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि उत्पादकता केवल अधिक काम करने में नहीं, बल्कि बेहतर काम करने में है। कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह ने यह साबित किया कि आरसीएफ थल निरंतर सीखने, नवाचार और उत्कृष्टता की राह पर अग्रसर है। आइए, हम सभी इस उत्पादकता और नवाचार की भावना को बनाए रखें और विचारों को कार्यान्वित कर हर चुनौती को अवसर में बदलें।

विद्यार्थी छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड, थल इकाई के कृषक प्रशिक्षण केंद्र (FTC) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत अनुसूचित जाति/ जनजाति विद्यार्थी छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत लगातार 32 वर्षों से आर.सी.एफ कंपनी द्वारा थल क्षेत्र के कक्षा 8 से कक्षा 10 तक के मेधावी एससी/ एसटी छात्र/छात्राओं को विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्रदान किया जा रहा है । प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी आर.सी.एफ,थल ने अपने सामाजिक दायित्व को जिम्मेदारीपूर्वक निभाते हुये थल क्षेत्र के 24 मेधावी छात्र/ छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की । कार्यक्रम की शुरुआत कंपनी प्रमुख श्री नितिन ब हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल), सुश्री ज्योति पाटील, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स), श्री संजीव हरलीकर, महाप्रबंधक (मा.सं/ प्रशा व ई.टी.पी), श्री विनायक पाटील, उप महाप्रबंधक (मा.सं/प्रशा), आर.सी.एफ एस.सी/एस.टी असोसिएशन, थल के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ शिंदे, आर.सी.एफ एस.सी/एस.टी संघटन, थल के महासचिव श्री दिनेश कवाडे व अन्य गणमान्यों के द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की फोटो पर पुष्पाहार चढ़ा कर व दीप प्रज्वलन करके हुआ । इसी क्रम में रानडे हाईस्कूल, थल की प्रधानाचार्या सुश्री सुषमा पाटील, भाऊसाहेब राऊत, हाईस्कूल, नवगाँव स्कूल के प्रधानाचार्य श्री प्रसाद राऊत, शाला समिति के चेयरमेन श्री सतीश म्हात्रे और नवगाँव स्कूल के चेयरमेन श्री सुरेन्द्र कटोर को पुष्पगुछ देकर उनका स्वागत किया गया ।

इसके पश्चात गणमान्य के शुभहाथों से कक्षा 8 से कक्षा 10 तक के 25 मेधावी एससी/एसटी छात्र/छात्राओं को रु 6000/- विद्यार्थी छात्रवृत्ति व स्कूल बैग स्टेशनरी के सामान के साथ दिया गया ।

इसके बाद समिति के चेयरमैन श्री सतीश म्हात्रे ने अपना विचार आर.सी.एफ एस.सी/एस.टी असोसिएशन, थल के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ शिंदे और उपाध्यक्ष श्री रवींद्र राजके, आर.सी.एफ एस.सी/एस.टी संघटन के महासचिव श्री दिनेश कवाडे व विद्यार्थियों ने अपने मनोगत व्यक्त किए।

इसके बाद श्री नितिन ब हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल), सुश्री ज्योति पाटील, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स), श्री संजीव हरलीकर, महाप्रबंधक (मा.सं) ने सभी का मार्गदर्शन किया ।

अंत में श्री गणेश वाघे, सचिव,आर.सी.एफ एस.सी/एस.टी असोसिएशन ने धन्यवाद ज्ञापन किया व राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, थल फैक्ट्री परिसर में कई ओपन जिम सुविधाओं का उद्घाटन किया। श्री नितिन हिरडे- कार्यपालक निदेशक (थल), सुश्री ज्योति पाटिल- कार्यपालक निदेशक (परियोजनायें), श्री संजीव हरलीकर- मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं./प्रशा) एवं वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। यह पहल एक स्वास्थ और अधिक ऊर्जावान कार्यबल को बढ़ावा देने, उत्पादकता बढ़ाने और समग्र कर्मचारी संतुष्टि के प्रति कंपनी के समर्पण को दर्शाती है।

वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड, थल इकाई में वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा-2025 का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया । वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा-2025 आर.सी.एफ, थल इकाई के कर्मचारियों लिए दिनांक 02 जनवरी 2025 से दिनांक 20 जनवरी 2025 तक आयोजित की गयी । पुरुष कर्मचारियों के लिए आउटडोर क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 02 जनवरी 2025 से दिनांक 18 जनवरी 2025 के बीच किया गया । वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा की शुरुआत श्री नितिन ब हिरडे, कार्यपालक निदेशक (थल) के हाथों क्रिकेट पिच का उदघाटन करके हुआ । इस अवसर पर सुश्री ज्योति पाटील,कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स), श्री संजीव हरलीकर, महाप्रबंधक (मा.सं/प्रशा व ई.टी.पी), श्री अभय कालबांडे, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) श्री सुधीर कोली, महाप्रबंधक (वाणिज्यिक), श्री वी मगेश, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स), श्री अनुपम सोनावणे, महाप्रबंधक(खरीद व स्टोर्स) एवं श्री विनायक पाटील, उप महाप्रबंधक(मा.सं व प्रशा), यूनियन व मैनेजमेंट प्रतिनिधि व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे । वार्षिक क्रीड़ा स्पर्धा के अंतर्गत 100 मी रनिंग प्रतियोगिता, 200 मी रनिंग प्रतियोगिता, 400 मी रनिंग प्रतियोगिता, 4*100 मी रीले प्रतियोगिता, लॉन्ग जंप प्रतियोगिता, डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता, गोला फेंक प्रतियोगिता, भाला फेंक प्रतियोगिता, 5 किमी वॉकिंग प्रतियोगिता, कैरम प्रतियोगिता, क्रिकेट प्रतियोगिता, वॉली बॉल प्रतियोगिता, कबड्डी प्रतियोगिता, फुटबाल प्रतियोगिता, रस्सिखेंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

पुरुष कर्मचारियों के लिए इंडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया । जिसमें बैडमिंटन (सिंगल्स व डबल्स), कैरम और टेबल टैनिस (सिंगल्स व डबल्स), चेस व जलतरण प्रतियोगिता का आयोजित की गई ।

महिला कर्मचारियों के लिए दिनांक 17 जनवरी 2025 व दिनांक 18 जनवरी 2025 को इंडोर व आउटडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इंडोर प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन (सिंगल्स व डबल्स), कैरम व आउटडोर प्रतियोगिताओं में 50 मी रनिंग प्रतियोगिता, गोला फेंक प्रतियोगिता, डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता, भाला फेंक प्रतियोगिता, 2 किमी वॉकिंग प्रतियोगिता, क्रिकेट व रस्सिखेंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । दिनांक 20 जनवरी 2025 को यूनियन प्रतिनिधियों और मैनेजमेंट प्रतिनिधियों के बीच "शो क्रिकेट मैच" का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया ।

आर.सी.एफ ने स्कूली बच्चों के लिए पोषण किट वितरण और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया

राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड (आर.सी.एफ) की थल इकाई ने सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) पहल के अंतर्गत स्कूली बच्चों को पोषण किट वितरित की।

बच्चों के पोषण के महत्व को समझते हुए, आर.सी.एफ ने इस पहल की शुरुआत की ताकि वंचित छात्रों को मदद मिल सके। इन किटों में प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल थी, जिन्हें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के कई स्कूलों में वितरित किया गया। इसका उद्देश्य कुपोषण को दूर करना और बच्चों में स्वस्थ आहार की आदतों को प्रोत्साहित करना था।

अनुभवी डॉक्टरों की एक टीम ने बच्चों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण और दंत चिकित्सा जांच भी की, जिससे अनेक छात्रों को लाभ हुआ। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान और बच्चों में निवारक देखभाल को बढ़ावा देना था।

स्कूल प्रशासन और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के स्वास्थ्य और समग्र कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाला अभियान बताया। यह कार्यक्रम शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के आरसीएफ के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है।

बच्चों के पोषण में निवेश करके, आरसीएफ सामाजिक उत्तरदायित्व की अपनी भावना को बनाए रखते हुए भारत की अगली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ और उज्जवल भविष्य की दिशा में कार्य कर रहा है।

पीएम प्रणाम योजना

"पीएम-प्रणाम योजना" के अंतर्गत आरसीएफ विपणन क्षेत्र के राज्यों में किसान बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम कृषि में जैविक खादों के महत्व और संतुलित उर्वरकों के उपयोग के बारे में किसानों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न प्रकार के उर्वरकों, मृदा परीक्षण के महत्व तथा संतुलित उर्वरकों के प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य में सुधार के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम में जैविक उर्वरक, जैविक सूक्ष्म पोषक तत्व तथा रासायनिक एवं जैविक उर्वरकों के संतुलित उपयोग जैसे विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में किसानों को पीएम-प्रणाम योजना के उद्देश्य एवं इसके लाभ के बारे में व्यापक मार्गदर्शन दिया गया। एफओएम, प्रोम, पीडीएम जैसे जैविक उर्वरकों के उपयोग पर गहन मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जो मिट्टी में कार्बनिक कार्बन की मात्रा बढ़ाते हैं, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, मिट्टी में वायु परिसंचरण बनाए रखते हैं, और पोषक तत्वों की आपूर्ति में सुधार लाते हैं, जिससे मिट्टी अधिक कुशल बनती है। किसानों में मृदा परीक्षण और कृषि में इसके महत्व के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए संतुलित उर्वरकों के उपयोग के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की गई।

गाव - नुतुक्की, मंगलगिरी, गुंटूर, आंध्रप्रदेश

गाव - जवाल्गेरा, सिन्धनुर,
जिला-रायचूर (कर्नाटक)

गाव - पपरापत्ति, पालाकोड,
जिला- धर्मपुरी (तेलंगाना)

गाव - काजिपेठ, कडप्पा, आंध्रप्रदेश

गाव - मायादोलर, भद्रावती,
जिला- शिवमोगा (कर्नाटक)

गाव- गुब्बगुर्थी, जिला-खम्मम (तेलंगाना)

गाव - रामपुर, नार्थ 24 परगना, (प.बंगाल)

गाव - खेर्डी , जिल्हा- बुलढाणा (महाराष्ट्र)

कृषीसदन हॉल, जिल्हा यवतमाळ (महाराष्ट्र)

मूल्यवर्धित खत प्रात्यक्षिक - जिल्हा वाशिम

आरसीएफ जिल्हा कार्यालय वाशिम, गाव आसेगाव, तालुका व जिल्हा वाशिम येथे हळद पिकावर उत्पादन प्रात्यक्षिक आयोजित केले होते. कार्यक्रमात एकूण 14 शेतकऱ्यांनी भाग घेतला. प्रात्यक्षिकासाठी सुजला19:19:19 आणि मायक्रोला खताची फवारणी घेण्यात आली होती. कार्यक्रमा दरम्यान आरसीएफ प्रॉम व एफओएम बद्दल माहिती देण्यात आली होती.

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम- जिला सातारा

किसान प्रशिक्षण केंद्र आरसीएफ-थल ने 26 से 28.12.2024 तक सतारा जिले के किसानों के लिए आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में कुल 39 किसानों ने भाग लिया था। कार्यक्रम में कृषि और बागवानी के विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और विशेषज्ञों किसानों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में आरसीएफ के जैविक एवं रासायनिक खाद उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। अंत में प्रमाणपत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

शेतकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम - जिल्हा नंदुरबार

शेतकरी प्रशिक्षण केंद्र आरसीएफ-थळ येथे दिनांक 17 ते 19.10.2024 पर्यंत नंदुरबार जिल्ह्यातील निवडक शेतकऱ्यांसाठी निवासी प्रशिक्षण कार्यक्रमाचे आयोजन केले होते. या कार्यक्रमात एकूण 36 शेतकरी सहभागी झाले होते. कार्यक्रमात कृषी व फलोत्पादनाच्या विविध विषयांतील शास्त्रज्ञ, प्राध्यापक व तज्ज्ञांनी शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन केले. कार्यक्रमात आरसीएफच्या सेंद्रिय व रासायनिक खत उत्पादनांची सविस्तर माहिती देण्यात आली. शेवटी प्रमाणपत्र वितरणाने कार्यक्रमाची सांगता करण्यात आली.

प्रशिक्षण - ड्रोनद्वारा छीडकाव, जिला - हसन (कर्नाटक)

आरसीएफ जिला कार्यालय हसन द्वारा ड्रोन के माध्यम से खेती में कीटनाशक एवं मुल्यवार्धित खाद के छीडकाव को बढावा देने के लिए प्रात्यक्षिक का आयोजन किया था । कार्यक्रम मे आरसीएफ उत्पाद सुजला 19.19.19 का ड्रोन के माध्यम से छीडकाव का प्रशिक्षण दिया गया ।

कृषि प्रदार्शिनी (जिला - सतारा)

कृषि विभाग एव आर.सी.एफ. की ओर से संयुक्त रूप में किसान प्रशिक्षण एवं मेला का आयोजन किया गया था जिसमे आर.सी. एफ. के उत्पदनोका प्रदर्शनी स्टाल सजाया गया था। आर.सी.एफ. सातारा के जिला प्रभारी ने आर.सी.एफ. उत्पाद और मिट्टी परीक्षण के उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में कृषि विभाग के जिला कृषि अधीक्षक सातारा, कृषि विकास अधिकारी जिला परिषद् सातारा, कृषि विज्ञान केंद्र के संशोधक, सभी उपविभागीय कृषि अधिकारी, सभी तालुका कृषि अधिकारी ने सहभाग लिया।

पशु चिकित्सा शिविरः जिला वारंगल (तामिळनाडू)

आरसीएफ जिला कार्यालय वारंगल (तामिळनाडू) ने ग्राम आशालपल्ली, जिला-वारंगल में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया था । कार्यक्रम के दौरान पशुवैद्यकोने किसानों को पशुधन में संभावित बीमारियाँ और संक्रमणों के बारे में मार्गदर्शन किया। शिविर में लगभग 60 जानवरों (गाय/भैंस) का टीकाकरण और परीक्षण भी किया गया।

पशु चिकित्सा शिविर - जिला निज़ामाबाद (तेलंगाना राज्य)

आरसीएफ विपणन क्षेत्र तेलंगाना राज्य में निजामाबाद जिले के श्रीनगर गाव में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में कुल 68 खेती उपयुक्त जानवरों का (भैंस/गाय/भेड़) पशुवैद्यकों द्वारा लसीकरण टीका लगाया गया और उनका इलाज किया गया। साथ में पशुओ के वायरल एवं बैक्टीरियल बीमारियों के बारे में किसनो को जानकारी प्रदान की गयी। आरसीएफ द्वारा डॉक्टर की सिफारिशों के अनुसार दवा और पशु चारा सामग्री वितरित की गयी।

शेतकरी मेळावा - जिल्हा यवतमाळ

आरसीएफ प्रॉम (फॉस्फेट रिच ऑरगॅनिक खत) च्या प्रचारासाठी शेतकरी मेळाव्याचे आयोजन आरसीएफ जिल्हा कार्यालय यवतमाळ तर्फे गाव पिंपरी तालुका नेर येथे करण्यात आले होते. कार्यक्रमात आरसीएफ च्या प्रोम ह्या खताचा शेती मध्ये उपयोग व त्याचे महत्व याबाबत माहिती देण्यात आली, तसेच सुफला 15:15:15, सुजला 19:19:19, मायक्रोला, व बायोला या खतांचे शेतीमधील महत्व शेतक-यांना विषद करण्यात आले.

पशु चिकित्सा शिविर : जिला - वारंगल (तेलंगाना राज्य)

आरसीएफ कार्यालय वारंगल ने रामचंद्रपुरम, जिला-वारंगल, राज्य-तेलंगाना में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया था। कार्यक्रम में जानवरों में संभावित बीमारियों और संक्रमणों के बारे में मार्गदर्शन किया गया। इस शिविर में लगभग 80 पशुओं (गाय/भैंस) का पशुवैद्यकों द्वारा टीकाकरण और परीक्षण किया गया।

कृषी प्रदर्शिनी - नागपूर

आरसीएफ क्षेत्रीय कार्यालय नागपूर ने 'अँग्रोविजन 2024' कृषि प्रदर्शिनी में सहभाग लिया था। कृषि प्रदर्शनी के दौरान नागपूर और लगत के तहसील एवं गांवो से लगभग 5000 किसानो ने आरसीएफ के प्रदर्शनी स्टॉल का दौरा किया और उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। कार्यक्रम का आयोजन श्री. विलास पाटिल (मुख्य प्रबंधक आरसीएफ नागपुर), श्री. नितिन पानझडे (क्षेत्रीय प्रभारी नागपुर), श्री. पवन भारशंकर (जिला प्रभारी नागपुर) ने किया।

किसान संगोष्ठी - जिला केंद्रपाडा (ओडिशा राज्य)

विपणन क्षेत्र ओडिशा राज्य में आरसीएफ़ द्वारा केंद्रपाड़ा जिले के पट्टामुंडई ब्लॉक में किसान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । इस कार्यक्रम में लगभग 24 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आरसीएफ के विभिन्न उत्पादों के बारे में उपस्थित किसानो का मार्गदर्शन किया गया।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम (जिला- धुळे)

किसान प्रशिक्षण केंद्र आरसीएफ थल द्वारा धुले जिले के किसानों के लिए 11 से 13.12.2024 तक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। कुल 36 किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि, बागवानी और पशुपालन के विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और विशेषज्ञों किसानों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में उर्वरक उत्पादों का ड्रोन द्वारा छिड़काव तथा मृदा स्वास्थ्य का महत्व और रासायनिक उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया । अंत में किसानों को प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

कृषि प्रदर्शनी - तेलंगाना राज्य

आरसीएफ ने तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय किसान मेला में कृषि प्रदर्शिनी स्टॉल का आयोजन किया था। इस प्रदर्शनी में श्री तुम्माला नागेश्वर राव, माननीय कृषि मंत्री (तेलंगाना), श्री सी. दामोदर राजनरसिंहा, माननीय स्वास्थ्य मंत्री(तेलंगाना), जी. चिन्ना रेड्डी, तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष ने आरसीएफ कृषि प्रदर्शनी स्टाल का दौरा किया।

महिला किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम - जिला-सांगली

किसान प्रशिक्षण केंद्र आरसीएफ थल में सांगली जिले के महिला किसानों के लिये तीन दिन का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में कुल 42 महिला किसानों ने भाग लिया। कृषि और पशुपालन के विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और विशेषज्ञों ने भाग लिया और किसानों को मार्गदर्शन दिया।

ॲग्रोवर्ल्ड प्रदर्शन २०२४ - जिल्हा जळगाव

जळगाव येथील ॲग्रोवर्ल्ड प्रदर्शनात आरसीएफने सहभाग घेतला होता. हा कार्यक्रम नोव्हेंबर 29 ते डिसेंबर 2, 2024 या कालावधीमधे जळगाव येथे आयोजित करण्यात आला होता. कार्यक्रमात आरसीएफ ची ख़त उत्पादने प्रदर्शित करण्यात आली व खातांविषयी शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन करण्यात आले. आरसीएफ अधिकाऱ्यांनी भारत NPK (सुफला 15:15:15), बायोला, माईक्रोला, प्रोम, पिडीएम, एफओएम खतांची जाहिरात करण्यात आली.

किसान बैठक - कसराली गांव, जिला- नांदेड़

आरसीएफ नांदेड द्वारा गाव-कसराली, तालुका-बिलोली, जिला-नांदेड़ में किसान बैठक का आयोजन किया था। कार्यक्रम के दौरान आरसीएफ के अधिकारियों ने किसानों को आरसीएफ के विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे पीडीएम, एफओएम, माइक्रोला, बायोला, पीएच बैलंसर और सल्फर कोटेड यूरिया के साथ पौध पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में उपस्थित किसनों को मार्गदर्शन किया।

मृदा परीक्षण दिवस- गाव धर्मावरम (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के धर्मावरम गांव में मृदा परीक्षण दिवस का आयोजन श्री जी.एस. श्रीराम वरिष्ठ अधिकारी (विपणन) द्वारा किया गया। जागतिक मृदा दिन के अवसर पर इस कार्यक्रम में लगभग 15 किसान उपस्थित थे। आरसीएफ के विभिन्न उत्पादों जैसे भारत NPK सुफला 15:15:15, सुजला, माईक्रोला, बायोला, प्रोम, फोम, पीडीएम तथा विभिन्न फसलों में इनके उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान कि गयी। किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग का महत्व तथा फसल वृद्धि और उत्पादकता पर इसके प्रभाव के बारे में बताया गया।

जागतिक माती परीक्षण दिवस - गाव-सुगाव (जि. नांदेड)

नांदेड जिल्ह्यातील सुगाव गावामध्ये मृदा दिन साजरा करण्यात आला. कार्यक्रमात आरसीएफ अधिकाऱ्यांनी वनस्पती पोषण व्यवस्थापन आणि RCF च्या विविध मूल्यवर्धित उत्पादनांसह माती आरोग्य व्यवस्थापनासाठी माती परीक्षणाचे महत्त्व समजावून सांगितले. PDM, FOM, Microla, Biola, pH बैलंसर तसेच Suplhur लेपित युरिया बाबत शेतकऱ्यांना मार्गदर्शन करण्यात अले.

मृदा परीक्षण दिवस - गाव- इडोली (जिला -हिंगोली)

हिंगोली जिले के इडोली गांव में मृदा परीक्षण दिवस मनाया गया। इस बैठक के दौरान आरसीएफ अधिकारियों द्वारा मृदा परीक्षण के महत्व तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर आरसीएफ के विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद जैसे पीडीएम, एफओएम, प्रोम, माइक्रोला, बायोला, पीएच बैलेंसर और सल्फर कोटेड यूरिया का उपस्थित किसानों को विवरण दिया गया।

मृदा दिवस कार्यक्रम -जिल्हा धाराशिव

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलायझर्स लि. व कृषी विभाग धाराशिव यांच्या संयुक्त विद्यमाने बरमगाव ता. धाराशिव येथे जागतिक मृदा दिनाचे औचित्य साधून माती परीक्षण दिनाचे आयोजन करण्यात आले होते. या कार्यक्रमामध्ये मुख्यत: माती परीक्षण का करावे, माती परीक्षणांसाठी मातीचा नमुना कसा घ्यावा व त्या नुसार खताचा वापर या विषयावर मार्गदर्शन केले. रासायनिक खत देताना अगोदर माती परीक्षण करुन मग शिफारशीनुसार खतांच्या मात्रा द्याव्यात असे शेतक-यांना सुचविले. कार्यक्रमात 104 महिला व पुरुष शेतकयांनी सहभाग घेतला.

मृदा परीक्षण दिवस - गाव-मोहोजी (जिल्हा जळगाव)

"मृदा परीक्षण दिन" कार्यक्रमाचे आयोजन गाव-मोहोजी, ता. पाचोरा जि. जळगाव येथे करण्यात आले होते. आरसीएफ अधिकाऱ्यांनी उपस्थित शेतकऱ्यांना मातीचे नमुने घेण्याच्या तंत्राबाबत मार्गदर्शन केले. शेतकऱ्यांना मातीचे नमुने गोळा करण्याच्या प्रक्रियेबद्दल थेट प्रात्यक्षिक देण्यात आले.

कार्यक्रमात सहभागी शेतकऱ्यांना आरसीएफ उत्पादनांची माहितीपुस्तके वितरित करण्यात आली. भरघोत पीक उत्पादन मिळविण्यासाठी आरसीएफ च्या खतांचा वापर करा असे शेतक-यांना सुचविण्यात आले.

विश्व मृदा दिवस जिला- पश्चिमी गोदावरी (राज्य-आंध्र प्रदेश)

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मुक्कमला, मंडल-पेरावली (आंध्र प्रदेश) में मृदा परीक्षण दिन का आयोजन किया गया। आरसीएफ अधिकारियों ने मृदा परीक्षण के महत्व और उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग और खुराक के आवेदन के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में आरसीएफ के उत्पादों के बारे में उपस्थित किसानो का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री कंदनुल पृथ्वी कुमार, प्रबंधन प्रशिक्षु (विपणन) ताडेपल्ली गुडेम, पश्चिमी गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश ने किया ।

मृदा परीक्षण दिवस - कृ.वि.केंद्र कोसबाड (जिला- पालघर)

कृषि विज्ञान केंद्र कोसबाड, तहसील- डहाणू, जिला पालघर में आरसीएफ द्वारा मृदा परीक्षण दिन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के विषेशज्ञोने उपस्थित किसानो को मार्गदर्शन किया। अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम में लगभग 35 किसान उपस्थित रहे, उन्हें आरसीएफ के विभिन्न उत्पादों जैसे भारत N:P:K (सुफला 15:15:15), सुजला, माइक्रोला, बायोला के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को जैविक उर्वरकों और उनके महत्व से अवगत कराया गया। ड्रोन दीदी श्रीमती. प्रज्ञा पाटिल ने ड्रोन के महत्व और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

मृदा परीक्षण दिवस - गाँव कलवाड़ा (गुजरात राज्य)

'विश्व मृदा दिवस' के अवसर पर गुजरात राज्य के वलसाड जिले के कलवाड़ा गाँव में मृदा परीक्षण दिन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 20 महिला किसानों ने सहभाग लिया । किसानों को नियमित मृदा परीक्षण के महत्व और लाभों से अवगत कराया गया, साथ ही उन्हें प्रोम जैसे जैविक उर्वरकों के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन किसानों को आरसीएफ के सभी उत्पादों के बारे में जानकारी देने के साथ हुआ।

मृदा परीक्षण दिवस - कृ.वि.केंद्र रायचूर (कर्नाटक)

कृषि विज्ञान केंद्र रायचूर में 'विश्व मृदा दिवस' के अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक रायचूर, कृषि विश्वविद्यालय रायचूर के वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और आरसीएफ अधिकारी रायचूर ने मृदा स्वास्थ्य और इसके महत्व के बारे में अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। आरसीएफ क्षेत्र प्रभारी श्री प्रवीण जी डी ने अंत में उपलब्ध नि:शुल्क मृदा नमूना विश्लेषण सुविधा के बारे में किसानों के साथ जानकारी साझा की।

आरसीएफ मृदा परिक्षण दिन- ओडीशा राज्य

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर, आरसीएफ के सहयोग से ओडिशा के पुरी जिले में कृषि विभाग द्वारा एक दिवसीय किसान संगोष्ठी और सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । कार्यक्रम में श्रीमती इंद्राणी मुखर्जी वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), ओडिशा और श्री. मयूर साहू अधिकारी (विपणन) ने भाग लिया। "पृथ्वी-माता के रूप में" विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया और 30 प्रगतिशील किसानों को सीडीएओ, पुरी द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड सौंपे गए।

मृदा परीक्षण दिवस- जिला रायगढ़ (महाराष्ट्र राज्य)

क्षेत्रीय कार्यालय, कोंकण, जिला रायगढ़ ने कृषि विभाग के जिला अधीक्षक कार्यालय के सहयोग से गाव सातीर्जे, तहसिल-अलीबाग, जिला-रायगढ़ में विश्व मृदा दिवस मनाया। कृषि विशेषज्ञों ने मृदा स्वास्थ्य, परीक्षण, उर्वरकों के संतुलित उपयोग और उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक विषयों पर चर्चा की। किसानों को कंपनी के उत्पादों के बारे में जानकारी दी गयी। मृदा परीक्षण के महत्व पर जोर दिया और किसानों को मिट्टी परीक्षण कराने की सलाह दी गयी। किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और उपज को अनुकूलित करने के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में 34 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

माती परीक्षण दिवस (जिल्हा- यवतमाळ)

"जागतिक मृदा दिन" निमित्त कळंब जि.यवतमाळ येथे माती परीक्षण दिनाचे आयोजन करण्यात आले होते. व्यवस्थापन प्रशिक्षणार्थी श्री. संतोष डोईफोडे यांनी माती नमुना संकलन करण्याची पद्धत व माती परिक्षणाचे महत्व उपस्थित शेतकऱ्यांना विषद केले, तसेच मृदा आरोग्य पत्रिका व आरसीएफ् उत्पादने जसे मायक्रोला, बायोला, सुजला, सुफला, आरसीएफ प्रोम इत्यादी खातांविषयी मार्गदर्शन केले.

मृदा परीक्षण दिवस - जिला-२४ परगना (पश्चिम बंगाल)

मृदा परीक्षण दिवस का आयोजन देगंगा ब्लॉक, जिला उत्तर 24 परगना, (पश्चिम बंगाल) के रामपुर गांव में किया गया। कार्यक्रम के दौरान 25 किसान मौजूद थे। किसानों को मिट्टी के नमूने लेने की तकनीक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। किसानों को उर्वरक के संतुलित उपयोग का महत्व और फसल की वृद्धि और उत्पादकता पर इसके प्रभाव के बारे में भी बताया गया।

जागतिक मृदा दिन कर्यक्रम - जिल्हा बुलढाणा

राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलायझर्स लि बुलढाणा व कृषी विभाग यांच्या संयुक्त विद्यमाने दाभाडी ता. मोताळा येथे जागतिक मृदा दिनाचे औचित्य साधून माती परीक्षण दिनाचे आयोजन करण्यात आले होते. कार्यक्रमामध्ये माती परीक्षण का करावे, माती परीक्षणांसाठी मातीचा नमुना कसा घ्यावा त्या नुसार खतांचा वापर या विषयावर मार्गदर्शन करण्यात आले, तसेच रासायनिक खत देण्याअगोदर माती परीक्षण करुन शिफारशीनुसार खतांचा वापर करण्याचे सुचविण्यात आले.

सेवा निवृत्ति - अक्तूबर २०२४ - मार्च २०२५

श्री श्रीकांत शंकरराव पाटील, उप महाप्रबंधक (विद्युत)
श्री प्रदीप रामचंद्र शेलार, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी -II
श्री निलेश दत्ताराम वालंज, केमिस्ट विशेष श्रेणी -II
श्री सुनिल परशुराम पाटील, वरिष्ठ फायर प्रचालक
श्री मुकुंद सुधाकर गोडबोले, वरिष्ठ प्रबंधक (सामग्री)
श्री हेमंत विनायक दिवेकर, प्रबंधक (रसायन)
श्री लक्ष्मण नरहरि सावंत, वरिष्ठ अधिकारी (सामग्री)
श्री सुनिल नामदेव इन्दोरे, केमिस्ट विशेष श्रेणी -II
श्री संतोष वासुदेव वझे, वरिष्ठ अधिकारी (निगमित संचार)
श्री विकास दामोदर घरत, वरिष्ठ अभियंता (यांत्रिकी)
श्री निजानंद पंढरीनाथ सामंत, वरिष्ठ अभियंता (विद्युत)
श्री सुनिल चंद्रकांत साईकर, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी - II
श्री अजित दामोदर नाईक, वरिष्ठ लोको प्रचालक
श्री सुधीर सिताराम वर्तक, वरिष्ठ रिगर विशेष श्रे- II
श्री प्रमोद शांताराम घरत, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी - I
श्री प्रविण पांडुरंग घरत, वरिष्ठ सामग्री सहायक विशेष श्रेणी - I
श्री अतुल नागनाथ दूधांडे, मुख्य प्रबंधक (सतर्कता)
श्री रावसाहेब दिनकर पाटील, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी - II
श्री संजय रघुनाथ मगर, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी - II
श्री मोहन सदाशिव राऊत, वरिष्ठ प्रचालक विशेष श्रेणी - II
श्री रत्नमाला भगवान मेश्राम, मेट्रन
श्री अजय नारळे, वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन)

सुश्री पद्मा निकाळजे, कार्यालय सहायक
श्री श्रीनिवास काळे, उप महा प्रबंधक (आं. ले.)
श्री संजयकुमार वासनिक, महा प्रबंधक (एचएसई एवं एसिड)
सुश्री हेमा श्रॉफ, वरिष्ठ अधिकारी (सचिवीय)
श्री किशोर पेडणेकर, वरिष्ठ अभियंता (रसायन)
श्री चुन्नी लाल, वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन)
श्री ललितकुमार किरण, महा प्रबंधक (वित्त)
श्री चंद्रमणी महंतो, महा प्रबंधक (वित्त)
श्री मेहबूब मकंदर, प्रबंधक (सचिवीय)
श्री अरूप दास, मुख्य प्रबंधक (वित्त)
श्री शशिकांत अंजनीकर, उप महा प्रबंधक (भंडार)
श्री विठ्ठल जाधव, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन)
श्री नंदकुमार उके, उप महा प्रबंधक (कॉन्ट्रॅक्ट सेल)
श्री नामदेव लोखंडे, इक्विपमेंट ऑपरेटर ग्रेड घ्घ
श्री जितेंद्र सोनारकर, सहायक महा प्रबंधक (रसायन)
श्री अविनाश केंजळे, वरिष्ठ अभियंता (यांत्रिकी)
सुश्री विभावरी जाधव, वरिष्ठ अधिकारी (सचिवीय)
श्री सुरेश मोरे, वरिष्ठ अभियंता (यांत्रिकी)
श्री डग्लस देसेना, उप प्रबंधक (वित्त
डॉ सुरेश जाधव, उप महा प्रबंधक (प्रशासन)
श्री सुरेश पाल, वरिष्ठ अभियंता (रसायन)

RCF
ORGANIC FERTILIZER
RCF
PROM